NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित
वर्ष: 13 अंक: 339 लखनऊ, शुक्रवार 26 जुलाई 2024 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

पीएम मोदी करगिल का दौरा करेंगे, शिंकुन ला सुरंग परियोजना का पहला विस्फोट करेंगे

एजेंसी।
नई दिल्ली शिंकुन ला सुरंग परियोजना में 4.1 किमी लंबी दोहरी–ट्यूब सुरंग शामिल है, जिसका निर्माण लेह को सभी मौसम में संपर्क प्रदान करने के लिए निमूदृपदुमदृदारचा रोड पर लगभग 15,800 फुट की ऊंचाई पर किया जाएगा।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करगिल विजय दिवस के अवसर पर शुक्रवार को करगिल युद्ध स्मारक का दौरा करेंगे और इस दौरान रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शिंकुन ला सुरंग परियोजना का पहला विस्फोट करेंगे।
प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बृहस्पतिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पीएमओ के अनुसार, यह परियोजना लेह

को सभी मौसम में संपर्क प्रदान करेगी और पूरी होने पर यह दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग होगी।प्रधानमंत्री 26 जुलाई को 25वें करगिल विजय दिवस के अवसर पर, सुबह नौ बज कर लगभग 20 मिनट पर करगिल युद्ध स्मारक का दौरा करेंगे और कर्तव्य की पंक्ति में सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। पीएमओ ने कहा, ''प्रधानमंत्री वस्तुतः शिंकुन ला सुरंग परियोजना का पहला विस्फोट भी करेंगे।'' शिंकुन ला सुरंग परियोजना में 4.1 किमी लंबी दोहरी–ट्यूब सुरंग शामिल है, जिसका निर्माण लेह को सभी मौसम में संपर्क प्रदान करने के लिए निमूदृपदुमदृदारचा रोड पर लगभग 15,800 फुट की ऊंचाई पर किया जाएगा।पीएमओ ने कहा कि निर्माण पूरा होने के बाद, यह दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग होगी। बयान में कहा गया है, ''शिंकुन ला सुरंग न केवल हमारे सशस्त्र बलों और उपकरणों की तेज और कुशल आवाजाही सुनिश्चित करेगी बल्कि लद्दाख में आर्थिक और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा देगी।

वराह अवतार, नेम प्लेट विवाद पर कोर्ट के फैसले के बाद अब कौन सा नया नियम यूपी में होगा लागू ?

संवाददाता।
लखनऊ महंत का दावा है कि उनके इस अभियान से हिंदू समुदाय के लोगों को शुद्ध और सात्विक खाना मिल पाएगा और उनका धर्म भ्रष्ट होने से बच जाएगा। महंत का कहना है कि जिस दुकान पर खाने का सामान मिलता है वहां भगवान वराह का चित्र है तो आप वहीं भोजन करें और वहीं खाएं। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बीच कांवड़ रूट में पहचान बताने पर देश की सबसे बड़ी अदालत ने रोक लगा दी है। अब इस फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका भी दायर की गई है। याचिकाकर्ता सुरजीत सिंह यादव ने कहा कि यह आदेश शिव भक्तों की सुविध।ा और आस्था के लिए जारी किया गया था। वहीं इन सब के बीच अब हिंदू संगठन नया फॉर्मूला लेकर आए हैं। मुजफ्फरनगर में योग साधना आश्रम के महंत यशवीर महाराज ने अब दुकानदारों से अपील की है कि वो अपनी दुकानों पर हिंदू धर्म के प्रतीक लगाएं ताकी कांवड़ियों को पहचानने में आसानी हो। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज इसके लिए बाध्य नहीं है। मेरा अपने सभी सनातन धर्म के मानने वालों से कहना है कि जहां भी आपका होटल, ढाबा, मिठाई की दुकान, चाय, जूस या फलों की दुकान है उस पर अपना और अपने पिता का मोटे अक्षरों में नाम लिखो। अपने आधार कार्ड की कॉपी लगाओ और उस पर भगवे रंग में ऊं का ध्वज लगाओ और भगवान वराह का चित्र लगाओ। महंत का दावा है कि उनके इस अभियान से हिंदू समुदाय के लोगों को शुद्ध और सात्विक खाना मिल पाएगा और उनका धर्म भ्रष्ट होने से बच जाएगा। महंत का कहना है कि जिस दुकान पर खाने का सामान मिलता है वहां भगवान वराह का चित्र है तो आप वहीं भोजन करें और वहीं खाएं। भगवान वराह की तस्वीर जहां भी हो वहां भोजन में थूकने या गौ मांस

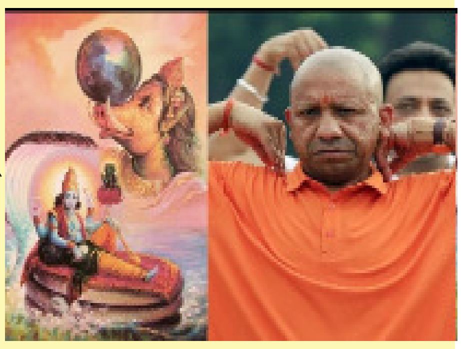

डालने का घृणित कार्य नहीं होगा। कुछ दुकानदारों की तरफ से भी इस मुहिम का समर्थन किया जा रहा है और भगवान की चित्र को दुकानों पर लगाया जा रहा है।

कारगिल विजय दिवस नड्डा बोले नया भारत, अगर पाकिस्तान बुरी नजर डालने की जुर्रत करता है तो...

एजेंसी।
नई दिल्ली नड्डा ने कहा कि हम कल उन वीर सपूतों को याद करेंगे जिनके शौर्य और बलिदान के कारण कारगिल विजय हुई और जो पाकिस्तान ने भारत पर कुत्सित निगाहें डाली थी, उनके इरादे को हमारे जवानों ने चकनाचूर करने का काम किया। हमारे सैनिकों ने देश के लिए जो साहस और बलिदान दिया है, उसे हमें नहीं भूलना चाहिए। केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा ने श्मार्शल रैलीश में भाग लिया और कारगिल युद्ध के दौरान अपनी जान गंवाने वाले सैनिकों के सम्मान में कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि इस दिन को हम श्विजय

दिवसश के रूप में मनाते हैं लेकिन इसके साथ ही हम उन सैनिकों के बलिदान को भी याद करते हैं। कारगिल युद्ध बहुत ही कठिन माहौल में लड़ा गया युद्ध था। पाकिस्तान ने सीधा हमला नहीं किया बल्कि चोरों की तरह कारगिल में आकर डेरा डाल दिया। हमारे जवानों ने कठिन माहौल में युद्ध लड़ा। नड्डा ने कहा कि हम कल उन वीर सपूतों को याद करेंगे जिनके शौर्य और बलिदान के कारण कारगिल विजय हुई और जो पाकिस्तान ने भारत पर कुत्सित निगाहें डाली थी, उनके इरादे को हमारे जवानों ने चकनाचूर करने का काम किया। हमारे सैनिकों ने देश के लिए जो साहस और बलिदान दिया है, उसे हमें नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि कारगिल विशेष परिस्थितियों में हुआ युद्ध था। पाकिस्तान ने पहले से युद्ध की घोषणा नहीं की थी, बल्कि उसकी सेना ने भारतीय सीमाओं में घुसपैठ की थी और रणनीतिक रूप से लाभप्रद स्थिति में थी। जेपी नड्डा ने कहा हमारे सैनिकों को दुश्मन से लड़ने के लिए पहाड़ की चोटी पर चढ़ना पड़ा, फिर भी वे डरे नहीं और दुश्मनों को हराकर तिरंगा फहराया! उन्होंने कहा कि आपको यह जानकर खुशी भी होगी और आश्चर्य भी होगा कि जब कारगिल का युद्ध चल रहा था तो हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी उस समय उत्तर भारत के भाजपा के बतौर महामंत्री प्रभारी भी थे। और जब कारगिल का युद्ध चल रहा था तो हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी उस समय भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि के नाते वो कारगिल के युद्ध में वहां जाकर जवानों को शाबाशी दी थी। भाजपा प्रमुख ने साफ तौर पर कहा कि यह नया भारत है! उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान न्त्प पर बुरी नजर डालने की जुर्रत करता है तो भारत सर्जिकल स्ट्राइक से जवाब देता है। यदि वे पुलवामा पर हमला करने का दुस्साहस करते हैं, तो भारत हवाई हमले के माध्यम से जवाब देता है।

ऐतिहासिक कदम! पहली बार असमिया में होंगे असम सिविल सेवा परीक्षा के प्रश्न, CM

एजेंसी।
असम एक्स से बात करते हुए, सीएम सरमा ने लिखा संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा (मुख्य) कल से शुरू हो रही है। असम सरकार के निर्देशों के अनुसार, इतिहास में पहली बार, सभी प्रश्न अंग्रेजी के अलावा असमिया में भी होंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने 25 जुलाई को घोषणा की कि पहली बार, संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा (मुख्य) में सभी प्रश्न अंग्रेजी के अलावा असमिया में भी उपलब्ध होंगे। इस महत्वपूर्ण बदलाव के साथ परीक्षा कल (26 जुलाई) से शुरू होगी। असम लोक सेवा आयोग के निर्णय का उद्देश्य असमिया भाषी उम्मीदवारों के लिए पहुंच में सुधार करना है, जो क्षेत्र की शिक्षा प्रणाली में एक ऐतिहासिक कदम है। एक्स से बात करते हुए, सीएम सरमा ने लिखा संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा (मुख्य) कल से शुरू हो रही है। असम सरकार

के निर्देशों के अनुसार, इतिहास में पहली बार, सभी प्रश्न अंग्रेजी के अलावा असमिया में भी होंगे। इस ऐतिहासिक कदम के लिए असम लोक सेवा आयोग को बधाई। यह कदम असम सरकार के निर्देशों का पालन करता है और इसे असम लोक सेवा आयोग द्वारा क्रियान्वित किया गया है।एक्स पर खबर साझा करते हुए, सरमा ने ऐतिहासिक निर्णय के लिए आयोग की प्रशंसा की ।

जेल का बजट बढ़ा दो, अगला नंबर तुम्हारा है, आप संसद में संजय सिंह का तंज, जेपी नड्डा ने भी ली चुटकी

एजेंसी।
नई दिल्ली राज्यसभा में आम बजट 2024–25 पर चर्चा में भाग लेते हुए सिंह ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित विपक्ष के अन्य नेताओं को 'पकड़कर जेल में डालने' का दावा किया कि आरोप लगाया कि सरकार का मकसद ऐसे मामलों में न्याय दिलाना नहीं है। आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने 25 जुलाई को राज्यसभा में केंद्रीय बजट 2024 पर चर्चा के दौरान भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार पर हमला बोला। सिंह ने रक्षा, स्वास्थ्य, खेती, शिक्षा और परिवहन जैसे क्षेत्रों के लिए बजट आवंटन कम करने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने तंज कसते हुए सरकार से जेलों का बजट बढ़ाने की भी मांग की। राज्यसभा में आम बजट 2024–25 पर चर्चा में भाग लेते हुए सिंह ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित विपक्ष के अन्य नेताओं को 'पकड़कर जेल में डालने' का दावा किया कि आरोप लगाया कि सरकार का मकसद ऐसे मामलों में न्याय दिलाना नहीं है। सिंह ने कहा कि कृषि, स्वास्थ्य, परिवहन, पेंशन और ऊर्जा क्षेत्र के साथ ही वैज्ञानिक विभाग और जेल का भी बजट कम कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''जेल का बजट तो बढ़ा दीजिए। अभी हमको जेल में भेजे हो। कल तुमको जेल में आना है। जेल का बजट बढ़ा दो, जेल को ठीक कर दो। अगला नंबर तुम्हारा है। कम से कम जेल को तो ठीक कर दो।'' उस वक्त आसन पर मौजूद सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन के नेता जे पी नड्डा से कहा कि संजय सिंह की अपील 'बहुत

मार्मिक' है और उन्हें इस पर गौर करना चाहिए क्योंकि इसकी एक 'पृष्ठभूमि' भी है। नड्डा ने इस पर कहा, ''इसका ध्यान रखा जाएगा अध्यक्ष महोदय।'' संजय सिंह ने जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग का मुद्दा भी उठाया और आरोप लगाया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को 'पकड़कर जेल में डाल दिया' गया, जिनका रक्त में शुगर का स्तर स्तर 36 बार 50 से नीचे जा चुका है। उन्होंने आप नेताओं मनीष सिसौदिया और सत्येंद्र जैन और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शिव सेना के संजय राउत को भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों में गिरफ्तरी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, ''आपका मकसद न्याय दिलाना नहीं। आपका मकसद हमको जेल में रखना है। जितना जेल में डालोगे, उतने गर्त में जाओगे। जिसने भी यह राजनीति की है उसका समापन होगा। अभी 240 पर पहुंचे हो कल 24 पर और फिर दो पर पहुंचोगे।''

जम्मू आधार शिविर से गुफा मंदिर के लिए तीन हजार तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना

एजेंसी।
जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 28 जून को जम्मू से तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना किया था जिसके बाद से अब तक कुल 3,11,493 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से तीर्थयात्रा के लिए रवाना हो चुके हैं। जम्मू से बृहस्पतिवार को तीन हजार से अधिक तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था दक्षिण कश्मीर

हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। अब तक 4.25 लाख से अधिक तीर्थयात्री बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या साढ़े चार लाख से अधिक थी। भगवती नगर आधार शिविर से 106 वाहनों में 3,089 तीर्थयात्रियों का 28वां जत्था केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संरक्षण में तड़के 3रू23 बजे रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि उनमें से 1,803 तीर्थयात्रियों ने पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग को जबकि 1,286 ने छोटे लेकिन दुर्गम 14 किलोमीटर बालटाल मार्ग को चुना है। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 28 जून को जम्मू से तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना किया था जिसके बाद से अब तक कुल 3,11,493 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से तीर्थयात्रा के लिए रवाना हो चुके हैं। अमरनाथ यात्रा 19 अगस्त को समाप्त होगी।

दिल्ली हाईकोर्ट से केजरीवाल को मिली बड़ी राहत, जज ने मंजूर की सीएम की ये खास याचिका

एजेंसी
दिल्ली एक अलग घटनाक्रम में, दिल्ली की एक निचली अदालत ने आज कथित दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े सीबीआई मामले में आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख की न्यायिक हिरासत 8 अगस्त तक बढ़ा दी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में अपने वकील के साथ दो अतिरिक्त वीडियो कॉन्फ्रेंस करने की अनुमति दे दी। उच्च न्यायालय ने यह कहते हुए आदेश पारित किया कि षविशेष परिस्थितियों में विशेष उपचार की आवश्यकता होती है।ष न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने कहा कि उनके खिलाफ बड़ी संख्या में लंबित मामलों को देखते हुए, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने वकीलों के साथ दो अतिरिक्त कानूनी बैठकों के लिए अरविंद केजरीवाल के अनुरोध को अनुचित नहीं कहा जा सकता है।एक अलग घटनाक्रम में, दिल्ली की एक निचली अदालत ने आज कथित दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े सीबीआई मामले में आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख की न्यायिक हिरासत 8 अगस्त तक बढ़ा दी। अरविंद केजरीवाल को अब खत्म हो चुकी दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े प्रवर्तन निदेशालय मामले में सुप्रीम कोर्ट से पहले ही जमानत मिल चुकी है। हालाँकि, वह अभी भी सीबीआई मामले में सलाखों के पीछे हैं। हाई कोर्ट ने केजरीवाल की सीबीआई गिरफ्तारी की वैधता और उनकी

अंतरिम जमानत याचिका पर भी फैसला सुरक्षित रख लिया है।उच्च न्यायालय ने उनकी नियमित जमानत याचिका भी 29 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की है। दिल्ली उच्च न्यायालय में आप प्रमुख की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि केजरीवाल की सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी एक षबाद में सोची समझी गिरफ्तारीष थी। सिंघवी ने उच्च न्यायालय को बताया कि प्रवर्तन निदेशालय मामले में केजरीवाल को तीन रिहाई आदेश मिलने के बाद, उन्हें अनुमान था कि देर–सबेर वह बाहर निकल जायेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि वह सलाखों के पीछे रहें, सीबीआई ने केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया ताकि वह सलाखों के पीछे रहें।

प्रियांका गाधी का कटाक्ष सरकार के लिए दरबार नहीं, 'शहंशाह' का सि)ांत है

'अशोक हॉल' के नाम बृहस्पतिवार को बदलकर क्रमशरू 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक मंडप' कर दिए गए। इस बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''दरबार का नहीं, शहंशाह का सिद्धांत है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति भवन के 'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल' का नाम बदले जाने के

बाद केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इस सरकार के लिए दरबार का नहीं, बल्कि ''शहंशाह'' का सिद्धांत है। राष्ट्रपति भवन के प्रतिष्ठित 'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल' के नाम बृहस्पतिवार को बदलकर क्रमशरू 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक मंडप' कर दिए गए। इस बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''दरबार का नहीं, शहंशाह का सिद्धांत है।

कांग्रेस का हाथ, खालिस्तानियों के साथ, अमृतपाल को लेकर चन्नी के बयान पर भड़की BJP, कहा- देशद्रोही जैसा आचरण कर रहे पूर्व सीएम

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद गिरिराज सिंह ने कहा कि चन्नी के बयान पर मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि इंदिरा गांधी का हत्यारा खालिस्तानी था और कांग्रेस खालिस्तानी का समर्थन कर रही है। वाह रे कांग्रेस, जय चन्नी। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने गुरुवार को खालिस्तानी नेता और अलगाववादी अमृतपाल सिंह को जेल में बंद करने को आपातकाल जैसी स्थिति से जोड़कर विवाद पैदा कर दिया। बजट पर लोकसभा में बोलते हुए, चन्नी ने एनडीए के नेतृत्व वाले केंद्र की आलोचना की और कहा कि पंजाब की खडूर साहिब लोकसभा सीट से लगभग 20 लाख लोगों द्वारा एक स्वतंत्र सांसद के रूप में चुने गए वारिस पंजाब दे प्रमुख अपने विचार वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के विचार प्रस्तुत नहीं कर सकते क्योंकि उन्हें जेल में बंद कर दिया गया है।इसी को लेकर अब भाजपा कांग्रेस सांसद पर हमलावर हो गई है। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि एक पूर्व सीएम देशद्रोही जैसा आचरण कर रहे हैं और सदन के माध्यम से पूरे देश को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों पर एनएसए लगाया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों के खिलाफ एनएसए लगाया गया है और यह बिल्कुल गलत है। बिट्टू ने आगे कहा कि एक पूर्व सीएम ने देश और पंजाब को तोड़ने की बात कही है। कांग्रेस और राहुल गांधी उनके सामने बैठकर यह बात कहलवा रहे थे। जब हमने उनसे सदन के पटल पर सबूत लाने के लिए कहा, तो वह बैकफुट पर चले गए और उनके पास कोई जवाब नहीं था। उनके कारण कांग्रेस पार्टी और पूरा इंडिया गठबंधन शर्मिंदा है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद गिरिराज सिंह ने कहा कि चन्नी के बयान पर मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि इंदिरा गांधी का हत्यारा खालिस्तानी था और कांग्रेस खालिस्तानी का समर्थन कर रही है। वाह रे कांग्रेस, जय चन्नी। यह भारत की संप्रभुता पर हमला है. इस पर कार्रवाई होनी चाहिए... कांग्रेस का हाथ, खालिस्तानियों के साथ।श उन्होंने कहा कि खालिस्तानियों ने इंदिरा गांधी को मारा, अब वही कांग्रेस खालिस्तानियों का समर्थन कर रही है.. जय चन्नी..वाह कांग्रेस। लोकतंत्र के मंदिर "संसद" में भारत की संप्रभुता पर हमला होते देखिये। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि ये मामला कोर्ट में है। उन पर (अमृतपाल सिंह) गंभीर आरोप हैं। इस बारे में संसद में बात करना ठीक नहीं है।

खनिज परिहारधारकों द्वारा खनिज परिवहन करने वाले वाहनों के साथ ई-अभिवहन प्रपत्र ई-एमएम 11 की नवीन व्यवस्थाएँ होंगी लागू

लखनऊ(आरएनएस) । उत्तर प्रदेश में खनिज परिवहन करने वाले वाहनों के साथ ई-एम० एम०- 11 की वर्तमान में लागू व्यवस्था को अवक्रमित करते हुए नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश उत्तर प्रदेश शासन द्वारा समस्त जिला अधिकारियों व निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग उत्तर प्रदेश को दिए गए हैं। यह नवीन विकेंद्रीकृत व्यवस्था लागू करने हेतु प्रमुख सचिव भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा शासनादेश जारी कर दिया गया है। उप खनिजों के खनन पट्टा तथा खनिज खनन अनुज्ञा से संबंधित कार्य के समयबद्ध एवं सुचार संचालन के हित में ई एम०एम०- 11 जनरेशन हेतु विभागीय पोर्टल पर फीडिंग की व्यवस्था विकेंद्रीकृत करते हुए संबंधित जिलाधिकारी के अनुमोदन से जनपदीय खान अधिकारी के लागिन पर उपलब्ध वेब पेज के माध्यम से कराया जाएगा।

जारी शासनादेश में जनपद स्तर पर की जाने वाली कार्यवाही, परिहारधारकों द्वारा की जाने वाली कार्यवाही तथा भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय स्तर पर की जाने वाली कार्यवाही के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश दिये गए हैं। यह व्यवस्था 01 अगस्त 2024 से प्रवृत्त (लागू) होगी। जारी शासनादेश में कहा गया है कि संबंधित जनपद में तैनात ज्येष्ठ खान अधिकारी, खान अधिकारी ध्खान निरीक्षक द्वारा निर्धारित प्रारूप पर परिहारधारकों का विवरण तैयार किया जाएगा और तैयार सूचना को स्वहस्ताक्षरोपरान्त जनपद के मुख्य कोषाधिकारी अथवा उनके द्वारा नामित प्रभारी अधिकारी व जिलाधिकारी द्वारा नामित प्रभारी अधिकारी (खनन) से सत्यापित कराकर जिलाधिकारी से प्रतिहस्ताक्षरित कराया जाएगा। डाटाबेस तैयार करने हेतु परिहार धारकों को अपना आधार नंबर, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, जीएसटी नंबर, पैन नंबर आदि विवरण निर्धारित प्रारूप पर स्वप्रमाणित कर जिला अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत किया जाएगा, जिसके आधार पर जिले के ज्येष्ठ खान अधिकारी खान अधिकारी ध्खान निरीक्षक द्वारा निर्धारित प्रारूप पर विवरण तैयार किया जाएगा। खनन निदेशालय स्तर पर पोर्टल के अनुश्रवण हेतु एक ई-एम०एम०-11प्रकोष्ठ होगा। प्रकोष्ठ द्वारा डाटा व अन्य सूचनाओं का परीक्षण किया जाएगा तथा तकनीकी समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा।

प्रमुख सचिव भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रदेश में खनन परिहार धारकों द्वारा खनिज परिवहन करने वाले वाहनों के साथ नई व्यवस्था के अनुसार ई-एम०एम०-11 जेनरेशन हेतु विभागीय पोर्टल पद पर फीडिंग आदि की प्रक्रिया अपनाई जाने के संबंध में दिए गए निर्देशों के अनुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया।

बाढ़ आपदा पर राज्य स्तरीय माक एक्सरसाइज-2024 का किया गया आयोजन

बाढ़ के दौरान राहत शिविर, प्राथमिक चिकित्सा एवं गम्भीर रूप से घायलों के बचाव के हेतु प्रशिक्षण दिया गया

लखनऊ(आरएनएस) । राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के समन्वय से प्रदेश में बाढ़ आपदा के प्रति 44 अतिसंवेदनशील एवं संवेदनशील जनपदों में बाढ़ आपदा पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज का आयोजन आज योजना भवन स्थित सभागार में किया गया। मॉक एक्सरसाइज के तृतीय एवं अन्तिम चरण में उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी, पी.वी.एस.एम, ए.वी.एस. एम, वी.एस.एम,(से.नि.) की अध्यक्षता में बाढ़ आपदा के प्रति 44 अतिसंवेदनशील एवं संवेदनशील जनपदों में भौतिक रूप से मॉक एक्सरसाइज का अभ्यास कराया गया।यह जानकारी उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री राम केवल ने दी। उन्होंने बताया कि मॉक एक्सरसाइज की शुरुआत सुबह 9 बजे हुई। सबसे पहले राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम से सभी जनपदों को बाढ़ अलर्ट की सूचना दी गयी। इसके बाद जनपदों ने एस०ओ०पी० एवं प्दबपकमदज ब्वउउंदक ैलेजमउ के अनुसार कार्यवाही शुरू की। सभागार से सचिव एवं राहत आयुक्त, श्री जी. एस. नवीन कुमार, राज्य स्तरीय अधिकारियों एवं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार के प्रतिनिधियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनपदों की प्रक्रिया का सजीव चित्रण देखा एवं उनके कार्यों की समीक्षा की। मॉक एक्सरसाइज के दौरान जनपदों ने विभिन्न स्थलों पर राहत एवं बचाव प्रक्रिया की कार्यवाही नदी एवं तालाब में डूबते हुए व्यक्ति को बचाने की कार्यवाही की। बाढ़ के दौरान राहत शिविर का प्रदर्शन तथा प्राथमिक चिकित्सा का उपचार एवं आवश्यकता पड़ने पर गंभीर रूप से घायलों को चिकित्सा केंद्रों में ले जा कर उपचार करने की कार्यवाही का प्रदर्शन किया गया।

राम केवल ने बताया कि जनपद बाराबंकी एवं रायबरेली में संचार व्यवस्था ठप होने पर टेलीकॉम सर्विस कॉम्पनियों द्वारा त्वरित गति से पहुँच कर संचार व्यवस्था पुनः सुचारु रूप से संचालित की। इस वर्ष की मॉक एक्सरसाइज में प्रथम बार आपदा के दौरान सभी संचार व्यवस्था ठप होने के कारण हैम रेडियो के माध्यम से संवाद किया गया और जनपदों से जुड़े हैम रेडियो ऑपरेटर ने आपस में हैम रेडियो से संवाद कर सूचना एवं कृत कार्यवाही से राज्यध्जनपद ई०ओ०सी० को अवगत कराया। अपरान्ह में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार के प्रतिनिधि ब्रिगेडियर आर गुरुंग ने जनपद बाराबंकी में आयोजित मॉक एक्सरसाइज हेतु लगाए गए कमांड पोस्ट तथा राहत चिकित्सा शिविर तथा जिला इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर का क्षेत्रीय भ्रमण किया तथा जनपद के अधिकारियों के साथ समीक्षा की।साथ ही आज विश्व ड्राउनिंग प्रिवेन्शन दिवस के अवसर पर सभी जनपदों ने मॉक एक्सरसाइज के दौरान ही डूबने के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने के लिए आम जन मानस को जागरूक भी किया। जागरूकता एवं किसी भी आपदा के दौरान क्या करें, क्या न करें की सही जानकारी से ही हम आपदा की घटनाओं को शून्य किया जा सकता है। योजना भवन सभा कक्ष से इस बैठक एवं मॉक एक्सरसाइज का समन्वय राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार के प्रतिनिधि ब्रिगेडियर अजय गंगवार(से०नि०)वरिष्ठ सलाहकार ने किया। इस दौरान उ0 प्र0 राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सभी अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे ।

भगवान बुद्ध से जुड़े प्रमुख स्थलों का 168.39 करोड़ रूपये की धनराशि से विकास का कार्य प्रारम्भ

देश-दुनिया से आने वाले बौद्ध अनुयायी सुखद अनुभूति लेकर लौटें

लखनऊ (आरएनएस) उत्तर प्रदेश पौराणिक काल से ही आस्था का केन्द्र रहा है। यहां की धरती पर पग-पग पर महापुरुषों, ऋषियों, मुनियों तथा समाज को लोक कल्याण का संदेश देने वाले महामानवों की जन्म स्थली एवं कर्मस्थली पायी जाती है। इसी क्रम में भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़े 06 प्रमुख स्थल उ0प्र0 में मौजूद हैं, जो देश-विदेश के बौद्ध अनुयायियों के लिए आकर्षण के केन्द्र हैं। श्रद्धालुओं की इन स्थलों पर भारी भीड़ देखते हुए राज्य सरकार ने भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों का 168.39 करोड़ रुपये की लागत से बुनियादी सुविधाओं का विकास कर रहे है।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि 168.39 करोड़ रूपये से पर्यटन स्थल पर पर्यटक सुविधाओं के विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। कुशीनगर, श्रावस्ती, कौशाम्बी, संकिसा, कपिलवस्तु व वाराणसी के सारनाथ समेत अन्य बौद्ध स्थलों पर अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इन प्रमुख बौद्ध स्थलों पर आने वाले श्रद्धालु एक सुखद अनुभूति का एहसास कर सके, इस दृष्टि से इन स्थलों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है।पर्यटन मंत्री ने बताया कि कुशीनगर में लगभग 8.06 करोड़ से टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर, कुशीनगर रामाभार स्तूप के सन्निकट बुद्ध घाट पर लगभग 23.81 करोड़ रुपये से पर्यटन सुविधाओं का विकास और सौंदर्यीकरण कार्य कराया जाएगा। साथ ही यहां के मुख्य प्रवेश मार्गों पर 4.25 करोड़ से गेट कांप्लेक्स का निर्माण, कुशीनगर स्थित बौद्ध विहारों पर लगभग 3.57 करोड़ से पर्यटन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इसी तरह श्रावस्ती स्थित बौद्ध विहारों पर लगभग 6.78 करोड़ से पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जाएगा। कौशांबी में बौद्ध थीम पार्क का निर्माण लगभग 22.94 करोड़ की लागत से किया जाएगा। और लगभग 11.25 करोड़ रुपये से भगवान बुद्ध की 51 फीट ऊंची ध्यान मुद्रा में कांस्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। साथ ही ग्राम कोसम इनाम में गेट कांप्लेक्स का निर्माण लगभग 23.95 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। सिद्धार्थनगर स्थित कपिलवस्तु का समेकित पर्यटन विकास लगभग 9.77 करोड़ से किया जाएगा। यहां बौद्ध विहारों पर 4.63 करोड़ से पर्यटन सुविधाओं का सृजन किया जाएगा। कपिलवस्तु में विपश्यना केंद्र का निर्माण 24.37 करोड़ की लागत से किया जा रहा है।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि भगवान बुद्ध की प्रथम उपदेश स्थली धमेक स्तूप पर 9.63 करोड़ रुपये से ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम, मूलगंध कुटी विहार पर लगभग 3.95 करोड़ से फसाड लाइट का कार्य किया जाएगा। फर्रुखाबाद जिले में लगभग 3.18 करोड़ से बौद्ध परिपथ क्षेत्र में साइनेज स्थापना का कार्य किया जाएगा। संकिसा में पर्यटकों की सुविधा के लिए लगभग 1.50 करोड़ से साइनेज का निर्माण किया जाएगा। इसी तरह श्रावस्ती में पर्यटकों की सुविधा के लिए लगभग 3.61 करोड़ से साइनेज लगाए जाएंगे। वाराणसी में सारनाथ में पर्यटकों की सुविधाओं के लिए लगभग 3.17 करोड़ से साइनेज लगेंगे। यह प्रमुख योजनाएं है जिससे बौद्ध सर्किट के विकास की तैयारी है।जयवीर सिंह ने बताया कि वाराणसी जिले में स्थित सारनाथ जहां 2,500 साल पहले भगवान बुद्ध ने अपने पहले पांच शिष्यों को 'चार आर्य सत्य' का प्रथम धर्म उपदेश दिया था, जो 21वीं सदी में कई समस्याओं के समाधान के लिए प्रासंगिक है। कुशीनगर वह स्थान है, जहां गौतम बुद्ध ने महापरिनिर्वाण प्राप्त किया था। इन छह स्थलों के अलावा जिला महाराजगंज में स्थित रामग्राम कोलिय साम्राज्य का प्रमुख नगर था। मान्यता है कि रामग्राम स्तूप में भगवान् बुद्ध के अवशेष मौजूद हैं।

कम वर्षा वाले क्षेत्रों में किसान धान बुआई का न करें इन्तजार- सूर्य प्रताप शाही

वैकल्पिक रूप से मिलेट्स तथा दलहन-तिलहन की फसल लगायें किसान

बारिश कि स्थिति को देखते हुए प्रदेश के कृषि मंत्री ने किसानों से की अपील

लखनऊ:(आरएनएस) जुलाई माह में अब तक उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में विशेष कर उत्तर प्रदेश के मध्य भाग में तथा बुन्देलखण्ड में औसत से काफी कम वर्षा हुयी है। इन क्षेत्रों में अभी भी 25 से 30 प्रतिशत खेतों में बुवाई होनी शेष है। इन मौसमी दशाओं तथा बोआई की स्थिति को देखते प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रदेश के किसानों से अपील की है कि धान की फसल लगाने का इन्तजार करने की जगह किसान मक्का, बाजरा, ज्वार तथा दलहन-तिलहन की फसल लगायें।

उन्होंने अपील की है कि इस वर्ष मा० मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने उत्तर प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने और बाजरा तथा मक्के की बढ़ती माँग को देखते हुये प्रदेश के सभी 75 जनपदों के लिये त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत संकर मक्का सामान्य बीज वितरण पर 50 प्रतिशत अनुदान की व्यवस्था की गयी है। देशी मक्का, संकर मक्का एवं पॉपकार्न मक्का के प्रदर्शन पर रू0 6000- प्रति हे0, बेबी कॉर्न मक्का पर रू0 40,000- प्रति हे0 एवं स्वीट कॉर्न मक्का पर रू0 50,000- प्रति हे0 अनुदान दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त प्रदेश के सभी विकास खण्डों पर मक्का, बाजरा एवं ज्वार के हाइब्रिड बीज के निजी कम्पनियों के स्टॉल लगाये जा रहे हैं, इन बीजों पर भी 50 प्रतिशत अनुदान किसानों के खातों में भेजा जायेगा। विकास खण्ड के विक्रय केन्द्रों पर मिलेट्स में मडुआ, सांवा, कोदो, बाजरा के निःशुल्क बीज मिनीकिट के साथ दलहन और तिलहन के बीज विशेषकर उड़द, मूंग, अरहर एवं तिल के बीज सामान्य वितरण कार्यक्रम में भेजे गये हैं, जो पी०ओ०एस० मशीन से बीज पर मिलने वाले अनुदान को समायोजित कर मात्र 50 प्रतिशत कीमत के भुगतान पर किसानों को मिल जायेगा। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया है कि मौसम को देखते हुये उन्हें अपने खाली खेतों में मक्का, मिलेट्स, दलहन और तिल की फसलों की बुवाई शुरू कर देनी चाहिये। इससे किसानों के खेतों में आच्छादन समय से पूरा हो सकेगा और उन्हें सम्भावित आर्थिक क्षति से बचाया जा सकेगा।

श्रीराम सापेक्ष राष्ट्र निर्माण में स्वामी रामभद्राचार्य का अवदान विषय पर हुई संगोष्ठी

चित्रकूट (आरएनएस)। जगदगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के अष्टावक्र सभागार में स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में श्री राम सापेक्ष राष्ट्र निर्माण में स्वामी रामभद्राचार्य का अवदान विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ के सहयोग से किया गया। इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो शिशिर पांडेय ने किया। उद्घाटन सत्र का प्रारंभ संगीत विभाग की सहायक आचार्य डॉ ज्योति विश्वकर्मा की सरस्वती वंदना से हुआ।उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व राज्य मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र, विवि के कुलाधिपति के निजी सचिव रमापति मिश्रा, कुलसचिव मधुरेंद्र कुमार पर्वत मौजूद रहे। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ किरण त्रिपाठी ने स्वागत उद्बोधन दिया। कुलपति प्रो शिशिर कुमार पांडेय ने श्री राम सापेक्ष राष्ट्र निर्माण में स्वामी रामभद्राचार्य की कृतियों, वाचिक, लेखन परंपरा में उत्कृष्ट योगदान को व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान युग के प्रख्यात मनीषी के रूप में राष्ट्र निर्माण में श्री राम के जीवन मूल्यों के संदर्भ में स्वामी रामभद्राचार्य के अभिनव योगदान रहे है। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान की डॉ अमिता दुबे ने संस्थान के प्रमुख उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिंदी संस्थान न केवल हिंदी भाषा बल्कि अन्य भाषाओं को साथ लेकर भारतीय संस्कृति के संवाहक के रूप में कार्य कर रही है। अधिष्ठाता डॉ महेंद्र कुमार उपाध्याय ने राष्ट्र निर्माण में स्वामी रामभद्राचार्य के योगदान को विस्तार से वर्णित किया। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ प्रमिला मिश्रा तथा धन्यवाद ज्ञापन संगीत विभाग के सहायक आचार्य डॉ गोपाल कुमार मिश्र ने किया। इसके पश्चात संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र का प्रारंभ डॉ सभापति मिश्र की अध्यक्षता में किया गया। इस सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ तरुण कुमार मिश्र तथा डॉ सत्या सिंह उपस्थित रहें। सत्र में डॉ किरण त्रिपाठी, डॉ विश्वेश दुबे, डॉ राम बहादुर मिश्र, डॉ संजय कुमार मिश्र, डॉ रजनीश कुमार सिंह ने अपने शोधपरक आलेखों को प्रस्तुत किया। संचालन शिक्षा संकाय की सहायक आचार्य डा. रीना पांडेय ने किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ निहाल रंजन मिश्र, डॉ गुलाब धर, डॉ विनोद कुमार मिश्र, डॉ अमित अग्निहोत्री सहित विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्य उपस्थित रहे। स्थापना दिवस के अवसर पर दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। यह जानकारी पीआरओ सुधीर कुमार ने दी है।

सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका है खानपान के उचित प्रबंध की - तरुण साहनी

आईजीपी में अवध कैटर्स एसोसिएशन का दो दिवसीय कन्वेंशन और एक्सपो आयोजन में सभी को हेडेक फ्री कर देते है केटरर्स भाई रू बृजेश पाठक

लखनऊ। राजधानी के गोमतीनगर स्थिति इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में अवध कैटर्स एसोसिएशन की ओर से दो दिवसीय कन्वेंशन और एक्सपो का आयोजन किया गया। पहले दिन समारोह का उदघाटन प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बतौर मुख्य अतिथि किया। इस दौरान श्री पाठक ने कैटर्स एसोसिएशन को इतने बड़े आयोजन के लिये बधाई देते हुये कहा कि आयोजन में सभी को हेडेक फ्री कर देते है केटरर्स भाई । शादियों में कुछ न कुछ नया मिलता है। कैटरिंग में भी बहुत चुनौतियां है इसके बावजूद कैटरिंग के क्षेत्र में अदभुत प्रगति हुई है। उन्होंने आगे कहा कि मौसम में बदलाव हमारी भविष्य की पीढ़ी के लिए चिंता का विषय है। इसके लिए हमें अपने सभी शुभ अवसरों पर पेड़ लगाने की परम्परा की शुरुआत करनी पड़ेगी।

अवध कैटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तरुण साहनी ने विचार व्यक्त करते हुए कहा किसी भी आयोजन में खान पान का उचित प्रबंध महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और हम यह प्रबंधन ठीक प्रकार से कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हम अपने सभी सदस्यों को एक-एक पौधा भेंट कर रहे है। सचिव अजय तिक्खा ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से अपने सभी सदस्यों को 10 लाख रुपये का एक्सीडेंटल इंश्योरेंस भी दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कि पूरे प्रदेश में काम करते हुये हमारा एसोसिएशन कैटरिंग के क्षेत्र में अपनी सराहनीय सेवाएं दे रहा है। आयोजन में व्यापार मंडल अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा, व्यापार मंडल सचिव पवन मनोचा, अनुराग मिश्रा, एजाज अहमद, कमल सचदेवा, काजी अख्तर मसूद ,शिव अजवानी,आकाश मिश्रा और हेमन्त गिरि आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।समारोह में कानपुर, उन्नाव, बाराबंकी, सीतापुर, सुल्तानपुर आदि अन्य शहरों के सैकड़ों पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। देर शाम हुये सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत सूफी नाइट में स्थानीय कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। आयोजन कल भी चलेगा।

किसान गोष्ठी में खेती की बताई गई नवीन तकनीकी

-डीएम ने किसानों को बांटे बीज के मिनीकिट, नैनो यूरिया देकर किया प्रोत्साहित

चित्रकूट (आरएनएस)। सबमिशन आंन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एवं कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण व कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत डीएम शिवशरणप्पा जीएन, सीडीओ अमृतपाल कौर, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल की उपस्थिति में जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी किसान मेला का आयोजन राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर सीतापुर में हुआ। इस दौरान प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ किया गया।

गोष्ठी में डीएम ने किसानो से कहा कि मुख्यमंत्री जी के निर्देशों के क्रम में खरीफ गोष्ठी का आयोजन कर कृषि विभाग सहित अन्य सभी विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि यहां के मुताबिक खेती करें। महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के साथ जोड़कर योजनाओं का लाभ दे। फसलों को बचाने के लिए मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से अन्ना गोवंशों को गौशालाओं पर संरक्षित कराया जा रहा है। खाद समितियों में उपलब्ध है। इसके अलावा जो भी समस्या आएगी उसका निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने कहा प्राकृतिक खेती अपना कर अपनी आय दोगुनी करें। सीडीओ ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों की दी गई तकनीकी विधि के आधार पर किसान खेती करें। पानी का संचय करना बहुत जरूरी है। जनपद दलहन के लिए जाना जाता था। दलहन, तिलहन, मिलेट्स को बढ़ावा दें। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि किसानों का समर्थन मूल्य दिया जा रहा है। पूर्वज देशी खाद का प्रयोग करते थे तो उस अन्न का स्वाद अलग होता था। शहरीकरण में इतना घुस चुके है कि मोटे अनाज को तरस रहे हैं। किसान श्री अन्न को अपनाएं। उप निदेशक कृषि राजकुमार ने कहा कि जनपद का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 340801 हेक्टेयर है। जिसमें कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल 173802 हेक्टेयर है। जिसमें लगभग 88752 हेक्टेयर क्षेत्रफल में खरीफ फसलें की जाती है। इसके अतिरिक्त लगभग 46000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में औद्यानिक एवं अन्य फसलों से आच्छादित होता है जनपद में मात्र 43 प्रतिशत क्षेत्रफल ही सिंचित है। जिसके कारण अधिकांश फसलें वर्षा पर आधारित है। उन्होंने विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन जिला कृषि अधिकारी आरपी शुक्ला ने किया।

इस मौके पर डीएम, सीडीओ सहित जनप्रतिनिधियां ने कृषक प्रेम सिंह, जियालाल पटेल, राजकुमार सिंह को नैनो यूरिया देकर प्रोत्साहित किया। इसके अलावा उदल, राज बहादुर, मुन्नी देवी, भोला, रामभवन, सत्य नारायण आदि किसानों को श्री अन्न योजना के अंतर्गत कोदो, सांवा, रागी, ज्वार, बाजरा, मूंग, उर्द आदि के मिनीकिट का भी वितरण किया। गोष्ठी में जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत दीपक

विश्व ड्राउनिंग प्रिवेन्शन दिवस के अवसर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

आपदा प्रबन्धन की सही जानकारी से आपदा की घटनाओं को शून्य किया जा सकता है

लखनऊः(आरएनएस) विश्व ड्राउनिंग प्रिवेन्शन दिवस के अवसर पर आज उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा प्रदेश के सभी जनपदों में डूबने के कारण से होने वाली दुर्घटनाओं के न्यून करने के लिए आम जन मानस को जागरूक करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि मदद के लिए लोगो को बुलाना चाहिये, अगर हमारे आस-पास कोई रस्सी, बड़ी लकड़ी इत्यादि है तो उनकी सहायता से डूबते व्यक्ति को बचाने की कोशिश करनी चाहिये। व्यक्ति को बाहर निकाने के बाद उसे तुरंत प्राथमिक उपचार प्रदान करते हुए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराना चाहिये।यह जानकारी उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री राम केवल ने दी। उन्होंने बताया कि डूबने से बचाव हेतु आम जन मानस को जागरूक करने के लिए प्रदेश के जनपदों में नदी, तालाब, घाटों पर लोगो को डूबने से बचाने हेतु अभ्यास कर बताया गया। अगर कोई व्यक्ति डूबने लगे तो तैराकी का ज्ञान होने पर ही नदीध्घाटध्तालाब के आस-पास जाना चाहिये।उन्होंने बताया कि आज मॉक एक्सरसाइज के दौरान ही सभी जनपदों में नदी, घाट एवं तालाब में डूबते हुए व्यक्ति को बचाने का अभ्यास एन०डी०आर०एफ०ध् एस०डी०आर०एफ०ध्पी०ए०सी०, जिला प्रशासन एवं स्थानीय गोताखोरध्नाविकों के सहयोग से किया गया। किसी भी आपदा के दौरान क्या करें, क्या न करें की सही जानकारी से ही हम आपदा की घटनाओं को शून्य किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि यूनाइटेड नेशन आर्गेनाइजेशन द्वारा अप्रैल 2021 में विश्व ड्राउनिंग प्रिवेन्शन दिवस प्रत्येक वर्ष 25 जुलाई को मनाने के लिए घोषित किया गया है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य डूबने की घटनाओं को कम करना है जिसके लिए सभी हितधारकों, एजेंसियों, नागरिक समाज संगठनों, निजी क्षेत्रों द्वारा नदी एवं तालाबों के आस-पास बैरियर स्थापित करना, तैराकी, जल सुरक्षा और सुरक्षित बचाव हेतु कौशल सिखाना, सुरक्षित बचाव और पुनर्जीवन हेतु प्रशिक्षण देना, सुरक्षित नौकायन, शिपिंग, नौका विनियम स्थापित करना और लागू करना तथा बाढ़ जोखिम प्रबंधन में सुधार आदि हेतु प्रशिक्षण प्रदान किये जाने के निर्देश दिये जाते हैं।

भाजपा वोट के लिए नफरत फैलाती है - अखिलेश यादव

लखनऊ।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि कारोबार लोगों को जोड़ता है लेकिन भाजपा वोट के लिए नफरत फैलाती है। भेदभाव करती है। समाज को लड़ाती है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा अयोध्या में हार गई। भाजपा को पता चल गया है कि साम्प्रदायिक राजनीति खत्म हो रही है। वह फिर से समाज में दूरियां पैदा करने के लिए फैसले ले रही है। कहा कि लोग नौकरी, तरक्की, खुशहाली चाहते हैं। महंगाई, बेरोजगारी से निजात चाहते हैं लेकिन भाजपा किसानों, नौजवानों, गरीबों के मुद्दे पर बात नहीं करती है। भाजपा सरकार झूठे वादे करती है। बड़ी-बड़ी बाते करती है लेकिन वो उसके फैसलों में दिखाई नहीं देता है। भाजपा ने पिछड़ों, दलितों का आरक्षण छीना, नौजवानों को नौकरियां नहीं दी। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। पहले पुलिस चोर पकड़ती थी, भाजपा सरकार में पुलिस-पुलिस को पकड़ रही है। भाजपा सरकार के अपराध का भंडाफोड़ हो रहा है। स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त है। गरीबों को इलाज नहीं मिल रहा है। उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था फुटपाथ पर है। भाजपा सरकार जनता की जान बचाने के बजाय अपनी कुर्सी बचाने में लगी हुई है।

विजड्म इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 26 जुलाई 2024
sheelshukla100@gmail.com

भाजपा सांसद अरुण सागर ने संसद भवन में शून्य काल के दौरान मान्यवर कांशीराम जी को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की करी मांग

शाहजहांपुर लोकसभा से भाजपा सांसद अरुण सागर ने गुरूवार को संसद भवन में शून्य काल के दौरान बोलते हुए मान्यवर कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की है।उन्होंने कहा कि मान्यवर कांशीराम जी को बहुजन नायक के नाम से भी जाना जाता है। वह भारतीय राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे। कांशीराम जी वास्तव में जमीनी कार्यकर्ता था। उनको भारत रत्न से सम्मानित करना सभी के लिए गर्व की बात होगी।

भाजपा सांसद अरुण सागर ने बताया कि मान्यवर कांशीराम जी को बहुजन नायक और मान्यवर के नाम से जाने जाते हैं। वह भारतीय राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे। जिन्होंने बहुजनो और देश के सबसे निचले स्तर पर अछूत समूहों सहित पिछड़ी जातियों के उत्थान के लिए कार्य किया है। उन्होंने कहा कि वास्तव में वह जमीनी कार्यकर्ता थे। उन्होंने सादगी जीवन व्यतीत करते हुए दलितों के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। किसी से छुपा नही है कि मान्यवर कांशीराम जी ने दलित राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। लेकिन वह एक राजनीतिक से ज्यादा देश के दबे कुचले और पिछड़े समाज के उत्थान के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहे। सांसद अरुण सागर ने सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध किया है कि मान्यवर कांशीराम जी के समाज और देश के प्रति योगदान को देखते हुए उन्हे भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। उन्होंने कहा कि मान्यवर कांशीराम जी को भारत रत्न से सम्मानित करने पर पूरे देश वासियों को गर्व का अहसास होगा। उन्होंने कहा कि मान्यवर कांशीराम जी ने बहुजन नायक, भारतीय

राजनीतिज्ञ, समाज सुधारक, अपने सम्पूर्ण जीवन में दलितों, पिछड़ों, अछूत समूह के लोगों के उत्थान के लिये कार्य करते हुये अपना जीवन समर्पित किया है।

सी.एम.एस. के 23 छात्रों को भारत सरकार द्वारा 92 लाख रूपये की स्कॉलरशिप

लखनऊ, 25 जुलाई। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस के 23 मेधावी छात्रों को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 92 लाख रूपये की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। सी.एम.एस. छात्रों को यह स्कॉलरशिप विज्ञान विषय में उच्च स्तरीय शिक्षा हेतु प्रदान की जायेगी, जिसके अन्तर्गत

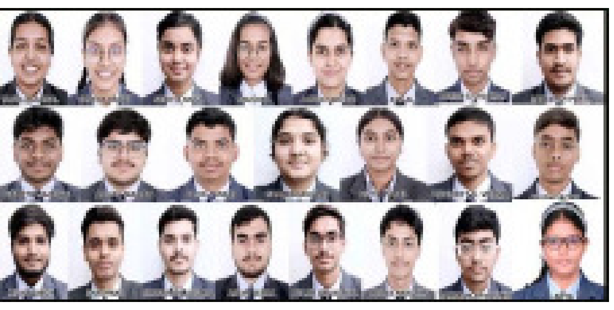

प्रत्येक छात्र को पाँच वर्षों तक प्रतिवर्ष रू. 80,000६– अर्थात कुल चार लाख रूपये की धनराशि प्रदान की जाएगी। इस प्रकार, सभी 23 छात्रों को कुल 92 लाख रूपये की स्कॉलरशिप प्रदान की जायेगी। मेधावी छात्रों ने इस वर्ष की आई.एस.सी. (कक्षा–12) बोर्ड परीक्षा में अपने मेधात्व का अभूतपूर्व परचम लहराते हुए पूरे देश में 'टॉप वन परसेन्ट' मेरिट सूची में स्थान अर्जित किया है। इसी अभूतपूर्व परीक्षा परिणाम की बदौलत इन छात्रों को विज्ञान की उच्चस्तरीय शिक्षा हेतु इस प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप हेतु चयनित किया गया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सी.एम.एस. के इन होनहार छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य कामना की।स्कॉलरशिप अर्जित करने वाले सी.एम.एस. राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस के इन 23 छात्रों में तान्या अग्रवाल, वर्तिका रावत, श्रेया सिंह, अनुष्का, अतिका सिद्दीकी, आतिफ अली, हितार्थ जायसवाल, अर्णव मदान, आलोक तिवारी, शांभवी राय, नित्या पटेल, अभिजीत कुमार वर्मा, मिलिंद सिंह, शाश्वत, श्रेयांस जायसवाल, आर्यन वर्मा, पुलकित श्रीवास्तव, आदित्य अवस्थी, आशीष सिंह चौहान, आयुष यादव, सक्षम श्रीवास्तव, सत्यार्थ पार्थ एवं आर्या शामिल हैं। सी.एम.एस. के इन मेधावी छात्र–छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता एवं शिक्षकों के अलावा सी.एम.एस. के शैक्षिक वातावरण को दिया है।

बंदियों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उनके अधिकार एवं कर्तव्यों के बारे में दी गयी जानकारी

विधि संवाददाता । प्रयागराज,माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज श्री संतोष राय के निर्देशानुसार केंद्रीय कारागार नैनी प्रयागराज में बुधवार को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज श्री दिनेश कुमार गौतम

की अध्यक्षता में एक विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बंदियों के अधिकार एवं कर्तव्य के बारे में उन्हें बताया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विधि कॉलेज के छात्र छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर बंदियों को उनके अधिकार एवं कर्तव्यों के बारे में जागरूक किया गया तथा उन्हें उनके अधिकार से अवगत कराया गया बंदियों को उनके अधिकारों से अवगत कराते हुए उनके कर्तव्य का भी ज्ञान कराया गया और अच्छे आचरण के लिए उचित मार्गदर्शन किया गया तथा उन्हें अन्य जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज द्वारा संचालित योजनाओं व सुविधाओं के बारे में अवगत कराया गया। इस अवसर पर प्रभारी जेलर डॉक्टर आलोक, शिखर वन स्टॉप सेंटर से निलिशा यादव व रोनित चौरसिया उपस्थित रहे। यह जानकारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दिनेश कुमार गौतम द्वारा प्रदान की गई।

19 करोड़ की लागत से हो रहा तुलसी स्मारक भवन का जीर्णोद्वार

अयोध्या (आरएनएस)। रामनगरी के तुलसी स्मारक भवन में कोदंड श्रीराम और बाबा तुलसी की प्रतिमा लगेगी। 19 करोड़ रुपए की लागत से तुलसी स्मारक भवन का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। अब यहां से श्री राम और वैदिक वांग्मय पर शोध को नया आयाम दिए जाने की तैयारी है। प्रदेश कि योगी सरकार से पोषित अंतरराष्ट्रीय रामायण एंव वैदिक शोधा संस्थान का यही केंद्र है। श्री राम से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण अभिलेखों और तथ्यों को यहां सहेजा गया है। यहां अनवरत राम लीला भी चल रही है। अयोध्या शोध संस्थान के निदेशक संतोष कुमार शर्मा ने बताया कि तुलसी स्मारक भवन के पुराने भवन का जीर्णोद्वार करके नया भवन तैयार किया जा रहा है। इसमें बेसमेन्ट पर पुस्तकालय, ग्राउण्ड फ्लोर पर इंटरनेशनल आर्ट गैलरी प्रथम तल पर कार्यालय और रामलीला हॉल का निर्माण, द्वितीय तल पर इन्टरनेशनल आर्ट गैलरी,आडियो वीडियो, आर्ट गैलरी व डारमेट्री का निर्माण और तृतीय ताल पर इन्टरनेशनल आर्ट गैलरी तथा टैरेस पर वाटर टैक व मुमटी बनाई जा रही है। इसके साथ ही अन्य कार्य कराए जा रहे हैं। इसके लुक को बदला जा रहा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर के शोधार्थी यहां आ सके कि इसका जीणोद्धार इस दृष्टि से कराया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रीराम और वैदिक विषयों पर शोध हो सके। इसके प्रथम तल पर कोदंड श्री राम और गोस्वामी तुलसीदास की प्रतिमा लगाई जाएगी। यह आमने–सामने होगी। स्मारक भवन में यह आकर्षण का केंद्र होगी। भवन का भव्य पुस्तकालय बेसमेट में है।बताते हैं कि किताबों के मामले यह काफी समृद्ध है। इसमें श्रीराम से जुड़े तथ्यों और अभिलेखों को सहेजा गया है। इसे और समृद्ध किया जा रहा है। यहां श्री राम से जुड़ी देश विदेश की कलाकृतियां हैं। इनको प्रदर्शित किया जाएगा। बताया कि स्मारक भवन का पूरा एक सेक्शन अंतरराष्ट्रीय रामायण और वैदिक शोध से जुड़ा होगा। जहां देश– –विदेश के शोधार्थी आकर अपना शोध कर सकें। इससे शोध को बढ़ावा मिले। बताया कि इस केंद्र से रामोत्सव सहित कई तरह के उत्सव मनाए जाएंगे। बताया कि जीर्णोद्धार के चलते यहां के क्रियाकलाप पर असर रहा है। इसी माह निर्माण पूरा करा लिया जाएगा।

आदेश के वावजूद भी मुख्यालय पर रात्रि निवास नही करते प्रशासनिक अधिकारी

बल्दीरायध्सुलतानपुर। तहसील मुख्यालय बल्दीराय पर शासनादेश के बावजूद भी प्रशासनिक अधिकारी रात्रि निवास नहीं कर रहे हैं जिससे ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान हो पाना मुश्किल हो गया है। पिछली बार भी योगी सरकार ने अधिकारियो को अपने मूल मुख्यालय पर रात्रि निवास करने का फरमान जारी किया गया था लेकिन तहसील के उप जिलाधिकारी तहसीलदार खन्ड शिक्षा अधिकारी खन्ड विकास अधिकारी पुलिस क्षेत्राधिकारी आदेश के बाद भी असुविधाओ का बहाना बनाते हुए मुख्यालय पर रात्रि निवास नही किया। योगी सरकार इस बार पुनः जनता की समस्याओ का शत प्रतिशत निराकरण करवाने के लिए अधिकारी द्वयो को अपने अपने मुख्यालय पर ही रात्रि निवास करने का निर्देश जारी किया है। बल्दीराय तहसील मुख्यालय पर रात्रि निवास न करने वाले अधिकारी द्वयो की क्रमवार सूची (1) उप जिलाधिकारी बल्दीराय तहसील मुख्यालय पर न रहकर वे सुलतानपुर में रात्रि निवास करते है जिससे तहसील क्षेत्र के ग्रामीणो की समस्याओ का समाधान न तो समय से हो पाता है न ही समय से उनकी समस्याए सुनी जाती है जबकि सरकार का साफ आदेश है कि अधिकारी 9 बजे से 11 बजे तक पहले जनता की समस्याए सुने फिर अन्य कार्य करे लेकिन यहां सरकार के आदेशानुसार शायद कार्य नही हो पा रहा है। (2) यही हाल तहसीलदार का है इनका रात्रि निवास भी सुलतानपुर शहर में होता है शहर से तहसील मुख्यालय पर आने के लिए महोदय का कोई समय नही निर्धारित नही है ऐसे में जनता की समस्याओ का समाधान कैसे होगा यह राम भरोसे ही है। सूत्र बताते है कि तहसील का नया भवन बन गया है जिसमें तहसील के अधिकारियो का आवास भी है भवन अभी तक हेन्ड ओवर नही हुआ है तहसील का नव निर्मित भवन विभाग को हैन्ड ओबर होने के पश्चात अधिकारियो की रात्रि निवास करने की सुविधा सुलभ हो जाएगी। (3) पुलिस क्षेत्राधिकारी बल्दीराय का कार्यालय वर्तमान में तहसील मुख्यालय से दस किलो मीटर दूर बल्लीपुर में चल रहा है लेकिन साहब भी मुख्यालय पर कभी रात्रि निवास नही करते इनका भी रात्रि का आशियाना सुलतानपुर शहर में ही रहता है पुलिस क्षेत्राधिकारी का आवास तथा कार्यालय बहुरांवा में तैयार है किन्तु ठेकेदार की व्यापक धांधली के चलते भवन की चहरदीवारी विना विभाग के हैन्ड ओबर किए ही ढह गई जिसका पुनः निर्माण कार्य चल रहा है। विभाग को हैन्ड ओवर होने के बाद पुलिस क्षेत्राधिकारी को अवासीय सुविधा प्रदत्त होगी। (4) विकास खन्ड बल्दीराय के खन्ड विकास अधिकारी का मुख्यालय पर ही आवास है लेकिन ये महोदय कभी भी मुख्यालय पर बने आवास में रात्रि निवास नही करते इनके आवास में ग्राम पंचायत अधिकारी का कब्जा है। (5) बता दे कि शिक्षा विभाग का कार्यालय बल्दीराय मुख्यालय पर ही स्थित है लेकिन खन्ड शिक्षा अधिकारी महोदया अपने मूल डियुटी स्थल मुख्यालय पर रात्रि निवास नही करती बाहर निवास होने के कारण इनकी जिम्मेदारी भी राम भरोसे है। फिलहाल ये कड़ुआ सच है तहसील मुख्यालय पर अधिकारी रहना पसन्द नही करते आमजन की समस्याओ का समाधान कैसे होगा देखना होगा जिलाधिकारी योगी सरकार के फरमान का कहां तक पालन करवा पाती है।

लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता के साथ मारपीट का अज्ञात पर मुकदमा हुआ दर्ज

सुल्तानपुर(आरएनएस)। लोक निर्माण विभाग में अवर अभियंता के पद पर तैनात श्रवण कुमार के साथ 20 जुलाई 2024 को कार्य के दौरान कुछ लोगो ने आकर मारपीट किया और उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी कावंड़ यात्रा को लेकर कावड़ियों के लिए सुगम मार्ग की तैयारी के लिए बरौसा बिरसिंहपुर मार्ग पर गढ़ा मुक्त अभियान चल रहा है। बरौसा बिरसिंहपुर मार्ग पर कार्य के समय ही बुलेट सवार तीन लोग आकर अचानक गाली गलौज करते हुए अवर अभियंता के साथ मारपीट करने लगे। अवर अभियंता के चिल्लाने पर आसपास के लोगो के जमा होने पर तीनों जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। इस पिटाई से श्रवण कुमार को काफी चोटे भी आ गई है। घटना की जानकारी अधिशाषी अभियंता को देते हुए प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए श्रवण कुमार ने प्राथर्ना पत्र लिखा। अवर अभियंता की लिखित शिकायत पर थानाध्यक्ष जयसिंहपुर प्रेम चंद सिंह ने तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ बी एन एस 115(2), 352, 351(2), 351(3) और 132 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया और एस आई राजाराम को जांच अधिकारी नामित किया। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर डिप्लोमा इंजि. संघ ने भी अधिशाषी अभियंता प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग को पत्र लिखकर घटना पर तुरंत ठोस कदम उठाने हेतु आग्रह किया। जिससे भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न घट सके।

जनपद में ई-रिक्शाओं के लिए रूट निर्धारण कर किया जाए संचालित

–सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम ने सम्भागीय परिवहन अधिकारी को दिया निर्देश

अयोध्या (आरएनएस)। जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में मानक संचालन प्रक्रिया के अन्तर्गत आहूत की गई। संभागीय परिवहन अधिकारी रितु सिंह ने जिलाधिकारी को अवगत कराया की हाईवे पर अवैध काटन कर डिवाइडर खोले गए हैं जिसके कारण एक्सीडेंट्स ज्यादा होते हैं जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को तत्काल कार्यवाही करते हुए अवैध को कट्स को बंद करने के निर्देश दिए। आरटीओ द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि किसी सड़क दुर्घटना के दौरान घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचने पर उस नेक व्यक्ति को 5000 रूपये की प्रोत्साहन धनराशि दिए जाने का प्रावधान है।

एआरटीओ विभाग की मिलीभगत से प्राइवेट स्कूल वालों की मनमानी

बच्चों के जिंदगी के साथ किया जा रहा खिलवाड़

सुलतानपुर(आरएनएस)। जनपद में एआरटीओ की मिली भगत से प्राइवेट स्कूल वालों की मनमानी बच्चों को स्कूल में लाने के लिए मैजिक, बस, आदि वाहनों इस्तेमाल कर रहे हैं लेकिन बच्चों को ठूस ठूस वाहनों में भरकर स्कूल में लाया जा रहा है। एआरटीओ विभाग कुंभकरण की नींद में सोया है आखिर क्या आरटीओ विभाग किसी बड़ा दुर्घटना होने के बाद जागेगा और अक्सर यही होता है जब कोई दुर्घटना हो जाती है तो विभाग के अधिकारी की नींद खुल जाती उसके पहले विभाग नहीं चेतता है। कुछ स्कूल की गाड़ियां कबाड़ की स्थिति में रोड पर फराटे भर रही है बच्चों के जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है लेकिन विभाग के तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही अगर ऐसी घटना होती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा तब तो प्रशासन के हाथ–पांव फूल जाते हैं तब प्रशासन को समझ में आ जाता है। स्कूल के प्रबंधन किसी रूल को फॉलो नहीं करते आखिर अपनी मनमानी तरीके से चल रहे हैं स्कूल का वाहन बीच–बीच में खबर मीडिया प्रकाशित करती रहती है लेकिन आरटीओ विभाग को फर्क नहीं पड़ता फिलहाल देखना क्या होगा कि कब यहां हंटर स्कूल वालों के ऊपर चलेगा। विभाग का यह तो आने वाला समय ही बताएगा या फिर दुर्घटना के बाद ही ऐसा कोई कदम आरटीओ विभाग उठाएगा या नहीं। स्कूल के प्रबंधन अभिभावकों के ऊपर वाहन सेवा के नाम पर ज्यादा रुपए ले रहे हैं।

नवीन मंडी में अराजकता और अव्यवस्था का बोलबाला

सुल्तानपुर(आरएनएस)। नगर के अमहट स्थित नवीन मंडी में फैले भ्रष्टाचार ने नए विवाद को जन्म दिया है। अवैध पटरी के दुकानदारों के कारण मार्ग में कई गाड़ियां फँस गयी। तभी एक नाबालिग ड्राइवर जाम को चीरते हुए तेजी से सब्जी लदी अपनी बैटरी गाड़ी को लेकर रॉग साइड से निकला, जो सामने जाम में फँसी एक डाला गाड़ी से भिड़ गए। अगले का वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर बैटरी वाले ने नवीन मंडी के अंदर के दबंग दुकानदारों ने पीड़ित पर ही हमले का प्रयास किया। सूचना पर अमहट चौकी इंचार्ज जगदीश सिंह ने हल्का सिपाही को मौके पर भेजा। बातचीत चल ही रही थी कि पुलिस के सामने मंडी के स्टाफ ने दोषी ड्राइवर को गाड़ी समेत भागने का मौका दे दिया। फिलहाल पीड़ित ने आरोपी ड्राइवर का नम्बर और दबंगो का ब्यौरा पुलिस को दिया है। विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि

दर्जनों रजिस्टर्ड आढ़तियों के बीच अवैध दुकानदार घुसपैठियों बनकर वहां फुटकर भाव मे महंगी सब्जियां बेच रहे। जिसका नुकसान किसान और ग्राहकों को उठाना पड़ रहा। सूत्र बताते हैं कि अवैधा दुकानदारो की सख्या सैकड़ों में है। आम ग्राहक असली और नकली दुकानदार के बीच फर्क नही कर पाता और वह नवीन मंडी जाकर ठगा जाता है। थोक में 2 रुपये किलो नेनुवा, 4 ध किलो बैगन खरीदकर वहीं दो से तीन गुने रेट में बेच रहे अवैध बेंडर। मंडी का स्टाफ अवैध बेंडर से ही महीने में लाखों की कमाई कर रहा। सड़क पर दुकानों भरमार होने के कारण वहां बाहर से आने वाले व्यापारियों के वाहन घण्टो घण्टो जाम में फँस रहे। जिससे मंडी में व्यापार करने आये लोगों को लाखों का घाटा हो रहा है और लगने वाले जाम से विवाद अलग से हो रहा।

फार्मेसी संकाय के छात्रों ने फार्मेसी जगत में लहराया परचम

सुलतानपुर(आरएनएस)। जनपद के के.एन.आई.एम.टी. के फार्मेसी संकाय के छात्र अंकित उपाध्याय एवं विकास गौड़ ने बी.एच.यू. के प्रवेश परीक्षा में परचम लहराया, जिसमें अंकित उपाध्याय ने प्रथम एवं विकाश गौड़ ने 27 रैंक लाकर संस्थान का नाम रोशन किया। साथ ही संस्थान ने ये अवगत कराया कि फार्मेसी क्षेत्र में उच्च शिक्षा (एमफार्मा) के लिए हर वर्ष जी. पैट. की परीक्षा आयोजित की जाती हैं। इस वर्ष इस परीक्षा का आयोजन एन.बी.ई.एम.यस.के द्वारा किया गया है। जिसमें बीफार्मा फाइनल ईयर के छात्र अंकित उपाध्याय ने ऑल इंडिया रैंक – 88 हासिल किया साथ ही संस्थान के कई छात्र हिमांशु गुप्ता, विकाश गौर, निगार परवीन सिद्धकी, निधि त्रिपाठी, नम्रता पटेल, संध्या बरनवाल, साक्षी मिश्रा, मुस्कान गुप्ता, श्रेयांश सिंह, काव्य प्रकाश, अनुराग सिंह ने भी परीक्षा में सफलता प्राप्त की। इस उपलब्धि में संस्थान के निदेशक प्रो.(डॉ.) महेश प्रसाद ने सभी उत्तीर्ण छात्र एवं छात्राओं को शुभकामनाओं के साथ उज्ज्वल भविष्य की कामना की साथ ही संस्थान के शिक्षकगण को भी शुभकामनायें दी।

संपादकीय

बजट निसंदेह मानव संसाधन और बुनियादी विकास पर विशेष ध्यान

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का 2024 का बजट कई मामलों में संतुलित माना जाएगा। नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में राजग सरकार के तीसरी बार सत्ता में आने के बाद यह पहला बजट है। बजट में निसंदेह मानव संसाधन विकास और बुनियादी विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।

केंद्र सरकार वेतनभोगियों की उम्मीदों में वह खरी उतरीं। नई टैक्स व्यवस्था में अब स्टैंडर्ड डिडक्शन पचास हजार से बढ़ाकर पिच्छत्तर हजार रुपए कर दिया। वेतनभोगियों को इनकम टैक्स में 17,500 रुपए तक की बचत होगी। वित्तमंत्री का कहना है कि इनकम टैक्स एक्ट की छह महीने में समीक्षा की जाएगी। कैपिटल गेन छूट की सीमा बढ़ा दी गई है।

महिलाओं द्वारा खरीदी गई संपत्ति पर स्टॉम्प डयूटी कम करने के साथ ही चुनिंदा शहरों में साप्ताहिक हाट या स्ट्रीट फूड हब डेवलप करने की योजना भी है। सौ बड़े शहरों के लिए जलापूर्ति, सीवेज उपचार व ठोस अपशिष्ट परियोजनाओं की भी घोषणा की। देश में घरेलू क्रूज का परिचालन करने वाली विदेशी शिपिंग कंपनियों के लिए सरल कर व्यवस्था दी।

सरकार ने स्पेस इकोनॉमी के लिए हजार करोड़ रुपए के वेंचर कैपिटल फंड स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा। सोने–चांदी पर कस्टम डयूटी घटाकर 6 फीसद व प्लैटनियम पर 6.5 फीसद का प्रस्ताव रखा। टीडीएस में देरी को अपराध से बाहर कर सीतारमण ने नौकरीपेशा को राहत दी है। केंद्रीय बजट में युवाओं के रोजगार के लिए 500 टॉप कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप मुहैया कराने के साथ ही पांच हजार रुपए महीने स्टाइपेंड देने की भी बात की।

बजट के जरिये सियासी समीकरण दुरुस्त करने और विपक्षी धार को कुंद करने की रणनीति के तहत सरकार ने अपने अहम सहयोगी दलों जेडी (यू) व टीडीपी शासित राज्यों बिहार व आंध्र प्रदेश के लिए विशेष पैकेज दिया। हालांकि इस दिलदारी से बाकी राज्यों में सरकार के खिलाफ आवाज तेज होगी।

खैर, जैसी उम्मीदें थीं, बजट वैसा नहीं रहा। विपक्ष का आरोप है कि बजट में गरीबों व आम लोगों के लिए कुछ नहीं है। साथ ही इसे राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रसित भी बताया। राहुल गांधी ने इसे कुर्सी बचाओ व कॉपी–पेस्ट बजट तक कह दिया।

यह कहना गलत नहीं होगा कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से स्थिर होने के बावजूद क्षेत्रीय असंतुलन गंभीर बना हुआ है। मगर तमाम चुनौतियों के बावजूद धन प्रबंधन करने में सीतारमण ने किसी को निराश नहीं होने देने की भरपूर कोशिश की है।

००

खादी को अपनाना चमत्कार से कम नहीं

खादी का स्वर्णिम काल फिर से लौट रहा है। खादी की ब्रिकी दिनों दिन नये आयाम गढ़ रही है। घोर मॉर्डन युग और पहनावे के लिहाज से मन–मस्तिष्क पर हावी हो चुकी ब्रांडेड पश्चिमी सभ्यता के बीचोंबीच लोगों का खादी को अपनाना चमत्कार से कम नहीं है।

लेकिन यह चमत्कार वास्तव में खादी ने किया है। अधिकृत रूप से पिछले सप्ताह खादी एंव ग्रामोद्योग बोर्ड ने बीते दस वर्षों के आंकड़े प्रस्तुत कर खादी की ब्रिकी के पूर्व के सभी रिकॉर्ड धवस्त हो जाना बताया है। खादी के विभिन्न उत्पादों की बिक्री में 400 फीसद का उछाल आया और इनके उत्पादन में 315 फीसद की बंपर बढ़ोतरी भी दर्ज हुई है। रिकॉर्ड स्तर पर 81 फीसद नये रोजगार सृजन भी हुए हैं। 2022–23 के वित्तीय वर्ष में 332.14 फीसद ब्रिकी, 267.52 फीसद प्रोडक्शन और 69.75 फीसद स्वरोजगार पैदा हुए हैं। रोजगार ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में पैदा हुए। वहां कताई, बुनाई के कारखानों में पुरुषों के मुकाबले महिलाएं अधिक भागीदार रहीं। आज खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के अंतर्गत 9 उत्पादन केंद्र पूरे भारत में मौजूद हैं।

कहावत है कि श्ओल्ड इज गोल्डश्। खादी की अचानक बेतहाशा ब्रिकी ने इसे चरितार्थ कर दिया है। शायद ब्रांडेड कपड़ों और आधुनिक चकाचौंध से लोग अब उबने लगे हैं। तभी फिर से अपनी जमीन की ओर मुड़ने को तत्पर हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक 2003–2013 में खादी का कारोबार 26109.08 करोड़ रुपये था, जो 2014–2023 में छलांग लगा कर 95956.68 करोड़ तक जा पहुंचा। इनमें खादी के निर्मित कपड़े अन्य उत्पादनों से कहीं अधिक हैं। जनमानस का खादी की ओर मुड़ना निश्चित रूप से श्स्वदेशी अभियानश् को पंख लगाने जैसा है। मौजूदा सरकार ने करीब एक दशक से स्वेदशी अभियान की अलख जगाए हुए है। खादी की भारी बिकवाली इस अभियान की सफलता पर मुहर लगाने जैसा है।

खादी का कपड़ा खास है जो किसी धर्म–समुदाय से वास्ता नहीं रखता। सच्चे देशभक्त का अपना देशी कपड़ा है। चाहे अल्पसंख्यक हों, सिख हों, साधु–संत हों, या फिर मॉर्डन जमाने के शिक्षित युवा–युवती। सभी ने खादी को अपनाना आरंभ कर दिया है। खादी का आंदोलन, एक सामाजिक–सांस्कृतिक आख्यान, गांधी जी द्वारा मई, 1915 में सत्याग्रह आश्रम से शुरू किया गया था, जो गुजरात के अहमदाबाद जिले में साबरमती आश्रम के नाम से लोकप्रिय है। गांधी युग में खादी के कपड़े लोगों के सिर चढ़कर बोलते थे। धारणा पहले कुछ ऐसी थी कि सच्चा हिन्दुस्तानी मतलब खादी को अपनाने वाला।

खादी के नये कीर्तिमान स्थापित करने का मतलब है, स्वदेशी अभियान और आत्मनिर्भरता की अपील का असर दिखाना। खादी पहनना ब्रांडेड कपड़ों के मुकाबले हमेशा से सुलभ और सरल माना गया है। इसका सस्ते से सस्ता और महंगे से महंगा कपड़ा हाथों से ही बुना जाता है क्योंकि खादी वस्त्र का निर्माण मशीनों से नहीं होता। ग्रामीण स्तर पर ज्यादा निर्माण होने से वहां लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। दरअसल, खादी के कपड़े अब पहले के मुकाबले उतने सस्ते नहीं रहे? दाम भरपूर बढ़े हैं, लेकिन बावजूद इसके खारीददारों की संख्या दिनोंदिन बढ़ रही है। सरकार अगर खादी के दामों में कुछ कटौती कर दे तो कारोबार में और भी उछाल आएगा क्योंकि खादी के दाम जिस हिसाब से आसमान छू रहे हैं, वो कइयों की पहुंच से दूर हैं। इस ओर ध्यान देने की केंद्र सरकार को जरूरत है।

नरेंद्र मोदी से इतनी नफरत क्यों करता है पश्चिमी मीडिया ?

भारत ने लोकसभा चुनावों के दौरान विदेशी पर्यवेक्षकों को भारतीय चुनावी प्रक्रिया देखने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन पश्चिमी मीडिया ने मोदी सरकार पर अल्पसंख्यकों के प्रति "घृणा" से भरे "हिंदुत्व" के एजेंडे को आगे बढ़ाने का अपना सामान्य बयान जारी रखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपने दोनों कार्यकालों में पश्चिमी नेताओं के साथ अब तक के सबसे अच्छे संबंध रहे हैं। लेकिन पश्चिमी मीडिया के साथ ऐसा नहीं है, जिसने उन्हें श्ताकतवरश से लेकर श्तानाशाहश तक, कई तरह के शब्दों से संबोधित किया है। अब जबकि 2024 के लोकसभा चुनावों के अंतिम परिणाम आ चुके हैं और नरेंद्र मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, तब पश्चिमी मीडिया द्वारा फैलाए गए भारत–विरोधी और मोदी–विरोधी एजेंडे का त्वरित मूल्यांकन करना जरूरी हो जाता है। भारत ने लोकसभा चुनावों के दौरान विदेशी पर्यवेक्षकों को भारतीय चुनावी प्रक्रिया देखने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन पश्चिमी मीडिया ने मोदी सरकार पर अल्पसंख्यकों के प्रति "घृणा" से भरे "हिंदुत्व" के एजेंडे को आगे बढ़ाने का अपना सामान्य बयान जारी रखा। दिलचस्प बात यह है कि अधिकांश पश्चिमी मीडिया रिपोर्ट्स में मोदी सरकार की विभिन्न मामलों में कड़ी आलोचना की गई है और विपक्ष को पीड़ित के रूप में पेश किया गया है। पत्रकारिता का नियम है कि संतुलित रिपोर्टिंग में सभी पक्षों के तथ्य और सभी पक्षों के बयानों को समान रूप से प्रस्तुत किया जाना चाहिए। लेकिन चाहे वह दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का मुद्दा हो या प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव प्रचार भाषण का मुद्दा, जिसमें उन्होंने विपक्षी कांग्रेस पर भारत के नागरिकों के अधिकारों को छीनने का आरोप लगाया था, पश्चिमी मीडिया कवरेज ने पूरे परिदृश्य को विकृत किया और बिना किसी पर्याप्त संदर्भ और दूसरे पक्ष के किसी भी दृष्टिकोण को शामिल किए पक्षपातपूर्ण और एकतरफा बयान जारी किये। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है ब्रिटिश दैनिक समाचार पत्र श्द गार्जियनश की 2024 के लोकसभा चुनाव कवरेज की कुछ सुर्खियां, जिसमें उन्होंने भारतीय चुनावों को कवर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ योजनाबद्ध तरीके से रिपोर्ट प्रकाशित की। आइये श्द गार्जियनश में प्रकाशित लेखों के कुछ शीर्षकों पर नजर डालते हैं– "भारत में चुनाव पूरे जोरों पर हैं, नरेंद्र मोदी हताश–और खतरनाक होते जा रहे हैं", "पीएम नरेंद्र मोदी का दावा है कि उन्हें भगवान ने चुना है", भारतीय चुनाव पर द गार्जियन का दृष्टिकोणरू नरेंद्र मोदी बने नफरत के सौदागर", "चुनावी कानूनों की धज्जियां उड़ाई गईं, विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार किया गया दृ मोदी की भाजपा के खिलाफ खड़े होने का परिणाम", "'मोदी राजमार्ग बनाते हैं लेकिन नौकरियां कहां हैं?'रू भारत के चुनाव पर बढ़ती असमानता"। इनमें से कुछ हेडलाइनें 'द गार्जियन' जैसे प्रतिष्ठित प्रकाशन से नहीं, बल्कि एक सस्ते टैब्लॉयड से सीधे निकली हुई लगती हैं। अत्यधिक पूर्वाग्रह से ग्रसित ये हेडलाइनें शायद किसी सनसनीखेज थ्रिलर के कवर पर या किसी मेलोड्रामैटिक सोप ओपेरा के पंचलाइन के रूप में अधिक उपयुक्त लगेंगी। आप पहला लेख देखें, "भारत में चुनाव पूरे जोरों पर हैं, नरेंद्र मोदी हताश–और खतरनाक होते जा रहे हैं"। यह लेख सलिल त्रिपाठी द्वारा लिखा गया है, जिनका गलत सूचना फैलाने और भारत विरोधी प्रचार करने का इतिहास रहा है। वे च्म्छ इंटरनेशनल राइटर्स इन प्रिजन कमेटी के अध्यक्ष भी हैं। उनका यह लेख 2002 के गोधरा दंगों के लिए भारतीय प्रधानमंत्री को दोषी ठहराने की सामान्य कथा से शुरू होता है और उन्हें अपराधी के रूप में चित्रित करता है। त्रिपाठी अपनी सुविधा के अनुसार इस प्रमुख कथा से चिपके रहते हैं और सफेद झूठ का प्रचार करते हैं। वह यह उल्लेख करने की भी परवाह नहीं करते कि भारतीय प्रधानमंत्री को 2002 के गोधरा नरसंहार के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सभी आरोपों से बहुत पहले ही बरी कर दिया गया है। जाहिर है, लेखक यह सब नहीं बताएगा क्योंकि यह उसकी शातिर कथा के अनुकूल नहीं है। लेख का बाकी हिस्सा हमेशा की तरह मोदी की "हिंदुत्व" वाली राजनीति के बारे में ही चर्चा करता है। लेखक के अनुसार, मोदी की राजनीति खतरनाक और स्पष्ट रूप से विभाजनकारी है। मोदी के भाषण की तीव्रता से पता चलता है कि सत्ता में 10 साल रहने के बाद, उनकी सरकार के पास कोई तरकीब नहीं बची है और वह यह सुनिश्चित करना चाहती है कि भाजपा के मुख्य मतदाता उनका साथ न छोड़ें। चुनाव आयोग पर प्रहार श्द गार्जियनश के अलावा जर्मन ब्रॉडकास्टर श्डॉयचे वेलेश भी अपने इसी एजेंडे में लगा हुआ है। श्डॉयचे वेलेश ने हाल ही में एक लेख प्रकाशित किया, जिसका शीर्षक था, "क्या भारत का चुनाव आयोग मोदी के खिलाफ शक्तिहीन है?" यह लेख भी प्रधानमंत्री मोदी के चुनावी भाषण पर केंद्रित है। लेख में उनके भाषण को सनसनीखेज बनाने की कोशिश की गई है, जिसमें कहा गया है कि उनके शब्द इस्लामोफोबिया में डूबे हुए थे। लेकिन जाने अनजाने में लेखक ने इस लेख में ऐसे तथ्य भी प्रस्तुत कर दिये, जो दिखाते हैं कि मोदी सरकार ने अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए सबसे अधिक योजनाएँ चलाई हैं। लेख में सुविधाजनक रूप से उस संदर्भ को भी छोड़ दिया गया है, जिसमें मोदी ने टिप्पणी की थी कि धर्म के आधार पर आरक्षण प्रदान करना भारतीय संविधान की भावना और प्रावधानों के विरुद्ध है। लेख में इस बात पर बहस की जा सकती थी कि क्या धर्म के आधार पर आरक्षण प्रदान करना वास्तव में भारतीय संविध ाान की मूल बातों के विरुद्ध है, या इसके लिए कोई जगह है? लेकिन इस तरह के काम के लिए गहन शोध की आवश्यकता होती है और कम से कम यहाँ श्डॉयचे वेलेश का इरादा निष्पक्ष समाचार रिपोर्टों के बजाय पक्षपाती और इमोशनल क्लिकबेट कहानियों को जगह देना था। लेख में भारत के चुनाव आयोग को एक "निष्क्रिय दर्शक" भी कहा गया है और किसी तरह यह स्थापित करने के लिए अज्ञात स्रोतों का हवाला दिया गया है कि चुनाव आयोग "एक पार्टी" के प्रति पक्षपाती है। देश के चुनाव आयोग के खिलाफ चुनावों के बीच में बिना किसी सबूत के और अज्ञात स्रोतों द्वारा दिए गए सामान्यीकृत बयानों के आधार पर आकस्मिक आरोप लगाना क्या वाकई में पत्रकारिता है। हालाँकि, ऐसा लगता है कि यह मतदाताओं को प्रभावित करने और भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का एक बहुत ही सूक्ष्म प्रयास है। "रेटिव के अनुकूल खबरें

इसी तरह श्सीएनएनश भी मोदीफोबिया के रथ पर सवार होकर यह लेख लिखता है कि ष्भारत का चुनाव अभियान नकारात्मक हो गया है क्योंकि मोदी और सत्तारूढ़ पार्टी इस्लामोफोबिया की बयानबाजी को अपना रहे हैंष्। लेकिन, इनमें से एक भी मीडिया आउटलेट महिलाओं के खिलाफ भयानक संदेशखली हिंसा, या टीएमसी के लोगों द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं की बेरहमी से हत्या, या भाजपा की नूपुर शर्मा की टिप्पणियों का समर्थन करने के लिए कन्हैया कुमार की बेरहमी से हत्या जैसे मुद्दों पर बात नहीं करता। श्द गार्जियनश, श्डॉयचे वेलेश, श्सीएनएनश आदि जैसे मीडिया आउटलेट इन मुद्दों को कवर नहीं करते, क्योंकि ये उनके नैरेटिव के अनुकूल नहीं हैं, लेकिन कुछ मुद्दों पर पक्षपातपूर्ण कवरेज करके भारत विरोधी प्रचार जरूर करते हैं।इसी कड़ी में फाइनेंशियल टाइम्स ने लिखा, 'लोकतंत्र की जननी की हालत अच्छी नहीं है।' न्यूयॉर्क टाइम्स ने तो 'मोदी का झूठ का मंदिर' बताया, जबकि फ्रांस के प्रमुख अखबार ले मॉन्द ने लिखा, 'भारत में केवल नाम का लोकतंत्र है।' अमेरिकी न्यूज चौनल श्फॉक्सश ने 20 मई को लिखा, 'अयोध्या में अल्पसंख्यकों को लगातार डराया जा रहा है।' श्सीएनबीसीश ने चुनाव को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया है, वहीं श्सीबीएसश टेलीविजन नेटवर्क ने मोदी के चुनाव प्रचार को अल्पसंख्यक विरोधी बताया है।भारत की छवि धूमिल करने का प्रयास जब लगभग सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन भारत की आलोचना कर रहे थे, तो नई दिल्ली स्थित विदेशी संवाददाता भी उसमें शामिल हो गए। आस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की दक्षिण एशिया ब्यूरो प्रमुख अवनी डायस ने यह दावा करते हुए भारत छोड़ दिया कि उन्हें वीजा नहीं मिला और चुनाव कवरेज का मौका नहीं दिया गया।

कई राज्य वायरस की गिरफ्त में

अजय प्रताप तिवारी

भारत में हीटवेव और प्रचंड गर्मी से थोड़ी राहत मिली नहीं कि वायरसों ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। कई राज्य वायरस की गिरफ्त में हैं। महाराष्ट्र में जीका वायरस, केरल में दिमाग को खाने वाले अमीबा बुखार, कर्नाटक में डेंगू आफत बन चुका है।

बढ़ते जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से दुनिया में समय–समय पर विभिन्न प्रकार के वायरस पनप रहे हैं, जो मनुष्यों के जीवन के लिए घातक सिद्ध हुए हैं। ये वायरस इतने खतरनाक होते हैं कि पल भर में मनुष्यों के जीवन को लील देते हैं।

जीका वायरस का सबसे ज्यादा खतरा गर्भवती महिलाओं को है, क्योंकि इससे नवजात शिशुओं में माइक्रोसेफैली होने का खतरा होता है, जिससे शिशुओं के मस्तिष्क का विकास नहीं हो पाता। जीका वायरस का वाहक एडिज मच्छर है। यह वायरस इंसानों से पहले रीसस बंदरों में देखा गया था जो अफ्रीकी देश युगांडा के जीका जगलों में पाया गया था। इसका प्रकोप इंसानों पर 2007 से तेज हुआ है। जीका वायरस ने 2015 में पूरे विश्व में तबाही मचाई जिसमें लाखों लोगों की जान चली गई।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 2016 में वैश्विक आपदा घोषित किया। भारत में पहली बार जीका वायरस का मामला 2016–17 में गुजरात में प्रकाश में आया था। मानव के मस्तिष्क के तंतुओं को नष्ट कर देने वाला अमीबा बुखार मानव जीवन के लिए बड़ी चुनौती है। इस बुखार का पहला मामला 2016 में केरल में सामने आया था। तब से अब तक यहां आठ मरीज मिले हैं, और सभी की मौत हुई। केंद्र सरकार के एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम की रिपोर्ट के अनुसार अब तक केरल से हरियाणा और चंडीगढ़ तक 22 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से छह मौत 2021 के बाद दर्ज की गई। नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान के अनुसार, 2019 तक देश में इस बीमारी के 17 मामले सामने आए लेकिन कोविड–19 महामारी के बाद तमाम तरह के नये संक्रमणों में उछाल देखने को मिला है।

पिछले कुछ वर्षों में मंकीपॉक्स, इबोला, निपाह वायरस, कोविड–19, जीका वायरस लगातार पैर पसार रहे हैं। ये संक्रमण इतनी तेजी से फैलते हैं कि देखते ही देखते पूरे शहर को संक्रमित कर देते हैं। जीका वायरस एडीज मच्छर से फैलने वाला घातक वायरस है। एडिज एजिप्टी डेंगू और चिकनगुनिया का वाहक भी है। जीका वायरस यौन संबंध से भी फैलता है, मां से भ्रूण में प्रवेश कर जाता है जो पेट में पल रहे बच्चे के तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर देता है। जीका वायरस भविष्य में कोविड–19 से भी भयानक रूप ले सकता है। यह मनुष्यों के लिए ही घातक नहीं है, बल्कि भावी नस्ल को भी मानसिक रूप से कमजोर करेगा। विभिन्न प्रकार के संक्रमण इंसानों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर बनाते हैं।

देश में तेजी से फैलता संक्रमण न केवल स्वास्थ्य चिंता का विषय है, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी पटरी से उतार देता है। पर्यटन एवं उद्योग के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी हद तक प्रभावित करता है, आयात–निर्यात पर भी गहरा प्रभाव डालता है। संक्रमण के चलते लंबे समय तक स्वास्थ्य समस्याएं बनी रहने से कार्यबल में गिरावट आती है जिसका प्रभाव उत्पादन क्षमता पर पड़ता है, काम का दबाव बढ़ता है। सामाजिक दूरियां बढ़ती हैं, जिसका असर कोविड–19 के समय भी देखने को मिला था। संक्रमण समय से नहीं रोका नहीं गया तो मानव सभ्यता को नष्ट कर डालेगा। जलवायु परिवर्तन और प्रकृति में मानवीय हस्तक्षेप से संक्रमण का प्रभाव पशु–पक्षियों में भी देखने को मिल रहा है।

भारत में इस वक्त में बारिश का मौसम है। इसलिए सबसे ज्यादा खतरे की बात है। जगह–जगह जल–भराव की समस्या से एडिज मच्छर पनपते हैं। गांवों के तालाबों, नालियों और गड्ढों में तब्दील जमीनों में साफ पानी का भराव होता है जिससे एडिज मच्छर पनपने की गुंजाइश बनती है, इससे गांवों में जीका वायरस फैलने का खतरा है। भारत में जीका वायरस या नये वायरसों के निदान की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है, यदि है भी तो बहुत सीमित। बढ़ता संक्रमण रोकने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी नीति–निर्माण आवश्यक है।जीका वायरस के निदान हेतु बाहर से आने वाले यात्रियों की गहन जांच की जाए और उनका डाटा तैयार किया जाना चाहिए ताकि शहर या गांव में किसी भी प्रकार के वायरस का पता लगने पर उन व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके जो बाहर से आए हैं। राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर संक्रमण निवारण केंद्र बनाने की जरूरत है। त्वरित जांच टीम बनाना जरूरी है। जागरूकता अभियान और शिक्षा के माध्यम से शहरों और गांवों में लोगों को इसके बारे में जानकारी देनी चाहिए। गांव, कस्बों में स्वास्थ्य मित्र नियुक्त करके महीने में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करते रहना चाहिए, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मच्छरदानी वितरण और दवा का छिड़काव समय–समय पर किया जाना चाहिए ताकि मच्छरों का प्रकोप बढ़ न पाए। मच्छरों का प्रकोप कम करने के लिए जीएम मच्छरों को तैयार करना चाहिए। इंसानों के साथ ही पशु–पक्षियों में पनप रहे संक्रमण को रोकने का भी उपाय करना चाहिए।

विपक्ष की मुस्लिमों के प्रति अंद्धा से भाजपा बनी मजबूत

मुस्लिमों का हितेषी बनने का नया मामला बांग्लादेश का है। पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हिंसा प्रभावित बांग्लादेश के संकटग्रस्त लोगों के लिए पश्चिम बंगाल के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें आश्रय देंगी।

मुस्लिम वोटों के लिए विपक्षी नेता किसी भी हद तक जा सकते हैं। विपक्षी दलों को लगना चाहिए कि हितेषी बनने का दिखावा करने मात्र से मुस्लिम वोटों को बटोरा जा सकता है। इसके बाद इन दलों मे आपस में ही सच्चा हितेषी साबित करने की प्रतिस्पर्धा हो जाती है। वोटों की खातिर मुस्लिमों के प्रति इस अंधश्रद्धा का ही परिणाम है कि इसके प्रतिक्रियास्वरूप भाजपा ने न सिर्फ राष्ट्रीय पर संगठन की मजबूत पकड़ बना ली, बल्कि लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्ता में भी आ गई। हालांकि इसमें काफी हद तक केंद्र सरकार के विकास कार्य भी शामिल हैं। मुस्लिमों का हितेषी बनने का नया मामला बांग्लादेश का है। पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हिंसा प्रभावित बांग्लादेश के संकटग्रस्त लोगों के लिए पश्चिम बंगाल के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें आश्रय देंगी। आश्चर्य की बात यह है कि यह मुद्दा मुख्यमंत्री ममता के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। यह विदेश मंत्रालय के अधीन आता है। विदेश मंत्रालय केंद्र सरकार के अधीन काम करता है। यह जानते हुए भी ममता ने मुस्लिम वोट बैंक पर पकड़ बनाए रखने के लिए ऐसा बयान दिया। इससे पहले भी ममता बनर्जी सरेआम मुस्लिमों का पक्ष लेती रही हैं। इसके लिए बेशक कानून की मंजूरी हो या नहीं। बर्मा के रोहिंग्या शरणार्थियों का मसला भी केंद्र सरकार के अधीन था। केंद्र सरकार ही तय कर सकती है कि भारत में किसे शरण देनी और किसे नहीं। रोहिंग्या शरणार्थी संकट पर केंद्र के दृष्टिकोण का विरोध करते हुए ममता ने कहा था कि सभी आम लोग आतंकवादी नहीं हैं और उन्होंने समुदाय का समर्थन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। गौरतलब है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा 40,000 रोहिंग्या शरणार्थियों को निर्वासित करने की योजना बनाई थी। ममता बनर्जी की शह पाकर कई मुस्लिम संगठनों से जुड़े हजारों प्रदर्शनकारियों ने कोलकाता में रैली निकाली और प्रधानमंत्री मोदी की निर्वासन योजना का विरोध किया तथा रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए भारत में आश्रय की मांग की।

आज का राशिफल

मेष राशि आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। किसी प्रतियोगी परीक्षा का रिजल्ट आपके पक्ष में आएगा। आर्ट, मीडिया से जुड़े लोगों को नौकरी के नये अवसर मिलने के योग हैं। आपको, ऑफिस में आपके कार्यों के लिए सम्मान मिलेगा।

वृष राशि आज का दिन आपके लिए लकी रहेगा। आप अपने बिजनेस में कोई नई शुरूआत करेंगे। आपकों जबरदस्त सफलता मिलेगी। समाज में आपका प्रभाव बढ़ेगा। इस दौरान आप नये लोगों से मिलेंगे। कुछ नया सीखने को मिलेगा।

मिथुन राशि आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपके परिवार का माहौल सुखद रहेगा। आपसी तालमेल देखकर आपको खुशी होगी। आपकी प्रोफेशनल लाइफ शानदार रहेगी। आज किए गए प्रयासों में दोगुना लाभ होगा।

कर्क राशि आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आप अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए नये फैसलें लेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में अच्छा बदलाव आएगा। कोई बिजनेस ट्रिप भी कर सकते हैं। आपको सुखद अनुभव के साथ मानसिक सुकून मिलेगा। आज आप परिवार के खुशहाल माहौल में दिन बिताएंगे।

सिंह राशि आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आपको आपके करियर के क्षेत्र में अपार संभावनाएं मिलेंगी आपका कोई सरकारी काम बनेगा। उच्च अधिकारियों के सहयोग से आपको नौकरी में लाभ होगा। आपको नई दिशा मिलेगी।

कन्या राशि आज आपका दिन खास रहने वाला है। व्यापार जगत से जुड़े हर कार्य में आपको सफलता मिलेगी। परीक्षा में अच्छे प्रदर्शन कर छात्र कामयाबी पा सकेंगे। जीवनसाथी से आपकी अच्छी समझ रहेगी। आप आनंदित महसूस करेंगे। आज प्रापर्टी से जुड़े मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत है।

तुला राशि आज का दिन आनंद से भरा रहेगा। आपके परिवार में कोई मांगलिक कार्य होगा। घर का माहौल खुशहाल रहेगा। आज आप कुछ समय संगीत सुनने में बिताएंगे। आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। नई नौकरी ज्वाइन करने से पहले अच्छी तरह सोंच–समझ लें। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

वृश्चिक राशि आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आप किसी बिजनेस में धन निवेश करेंगे। आप व्यापार संबंधी कोई नई योजना शुरू करेंगे। अपने व्यापार को आगे ले जाएंगे। आपका रुका हुआ पैसा वापस आ सकता है।

धनु राशि आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आपका वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा। आप एक दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करेंगे। आप अपने बच्चों और परिवार के साथ ज्यादा समय बिताएंगे।

मकर राशि आपके लिए आज का दिन मिला–जुला रहेगा। आपको परिवार का साथ मिलेगा। वैवाहिक जीवन में परेशानियां खत्म होंगी। कार्यस्थल पर आज आपकी भागदौड़ ज्यादा रहेगी। व्यापार में अच्छे लाभ के योग हैं। इस दौरान किसी तरह की लापरवाही भारी पड़ सकती है। लेनदेन करते समय खास ध्यान रखें। आप अपना कुछ समय परिवार और दोस्तों के साथ गुजारें या मनोरंजन के लिए भी निकालें, अच्छा महसूस करेंगे।

कुंभ राशि आज का दिन आपके लिए बेहतर परिणाम लेकर आएगा। आपको अपने कार्यस्थल पर अपने सीनियर्स का सहयोग मिलेगा। आप अपनी पहचान बनाने में सफल रहेंगे। अपनी कड़ी मेहनत से विरोधियों को चुनौती दे पाएंगे। आपका नए कार्यों में मन लगेगा। आप अपना बेस्ट देने का प्रयास करेंगे।

मीन राशि आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आप अपना कोई बिजनेस स्टार्ट करेंगे। आपको अच्छी सफलता मिलेगी। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आपके निजी रिश्तों में सुधार आएगा। पार्टनरशिप में किए गए व्यवसाय में आर्थिक फायदा मिलेगा। इस दौरान आपको अपने खर्चों पर नियन्त्रण रखना होगा। आपके घर परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। कोई मांगलिक कार्य संपन्न होगा। आप अपनी सेहत के प्रति थोड़ा सजग रहें। बेवजह गुस्सा करने से बचें। मानसिक शान्ति के लिए योग करें। आपके जीवन में नवीन विचारों का संचार होगा। अचानक कहीं से धन लाभ हो सकता है।

अमेरिका ट्रेवल्स एजेंसी पर भारत का आया रिएक्शन,

भारत के लिए संशोधित यात्रा परामर्श में अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा कि उसने पूर्वोत्तर राज्यों की जानकारी के साथ इसे अद्यतन किया है। परामर्श में कहा गया है कि अपराध और आतंकवाद, नक्सलवाद के कारण भारत में अधिक सावध ाानी बरती जानी चाहिए। अमेरिका ने अपने नागरिकों से मणिपुर, जम्मू–कश्मीर, भारत–पाकिस्तान सीमावर्ती क्षेत्रों और देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों में नहीं जाने को कहा है, जहां नक्सली सक्रिय हैं। अमेरिका की तरफ से जारी ट्रेवल एडवाइजरी जारी किए जाने पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि ये एक रुटीन मैटर है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणध ाीर जयसवाल ने कहा कि हर देश जो चाहे जारी करते हैं। हम लोगों ने भी ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। हम लोग अमेरिका के ट्रैवल एडवाइजरी को एक रुटीन मैटर की नजर से देखते हैं। दरअसल, भारत के लिए संशोधित यात्रा परामर्श में अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा कि उसने पूर्वोत्तर राज्यों की जानकारी के साथ इसे अद्यतन किया है। परामर्श में

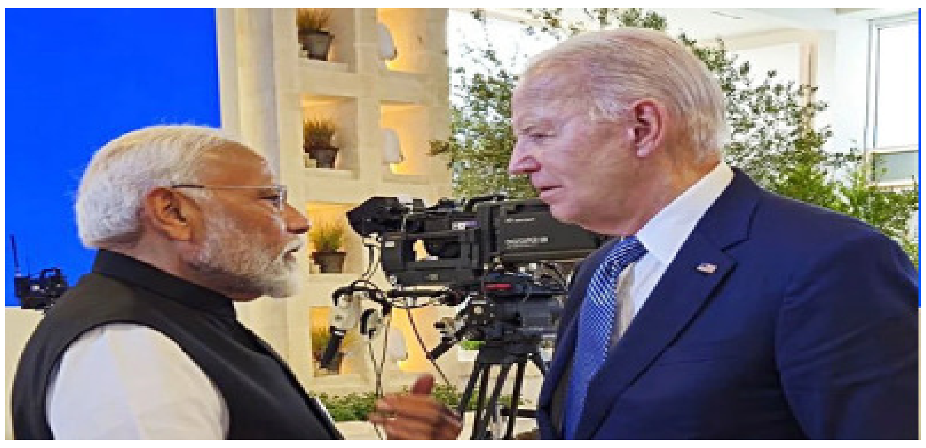

कहा गया है कि अपराध और आतंकवाद, नक्सलवाद के कारण भारत में अधिक सावधानी बरती जानी चाहिए। कुछ क्षेत्रों में जोखिम बढ़ गया है। कुल मिलाकर भारत को लेवल दो पर रखा गया है। लेकिन देश के कई हिस्सों को लेवल चार पर रखा गया है जैसे जम्मू और कश्मीर, भारत–पाक सीमा, मणिपुर और मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्से। विदेश विभाग ने कहा कि आतंकवाद और नागरिक अशांति के कारण केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर (पूर्वी लद्दाख क्षेत्र और इसकी राजधानी लेह को छोड़कर), सशस्त्र संघर्ष की आशंका के कारण भारत–पाकिस्तान सीमा के 10 किलोमीटर के भीतर, नक्सलवाद, उग्रवाद के कारण मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों तथा हिंसा और अपराध के कारण मणिपुर की यात्रा ना करें। परामर्श में अमेरिकियों को आतंकवाद और हिंसा के कारण पूर्वोत्तर राज्यों की यात्रा पर पुनर्विचार करने की सिफारिश की गई है। यात्रा परामर्श में कहा गया है कि भारतीय अधिकारियों की रिपोर्ट के अनुसार बलात्कार भारत में सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक है। यौन उत्पीड़न जैसे हिंसक अपराध पर्यटक स्थलों और अन्य स्थानों पर हुए हैं। आतंकवादी कभी भी हमला कर सकते हैं। वे पर्यटक स्थलों, परिवहन केंद्रों, बाजारों, शॉपिंग मॉल और सरकारी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हैं।'' विदेश विभाग ने कहा कि अमेरिकी सरकार के पास ग्रामीण क्षेत्रों में अमेरिकी नागरिकों को आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने की सीमित क्षमता है। ये क्षेत्र पूर्वी महाराष्ट्र और उत्तरी तेलंगाना से लेकर पश्चिमी पश्चिम बंगाल तक फैले हुए हैं। परामर्श में कहा गया है कि अमेरिकी सरकार के कर्मचारियों को इन क्षेत्रों की यात्रा करने के लिए विशेष अनुमति लेनी होगी।

ट्रूडो को मिली धमकी तो बौखलाया, खालिस्तानियों पर चुप्पी, कनाडा के दोहरे रवैये की भारत ने खोल दी पोल

कनाडा द्वारा प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और अन्य नेताओं को ऑनलाइन धमकी देने के लिए दो व्यक्तियों पर आरोप लगाए जाने की खबरों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने ये रिपोर्ट देखी हैं। जब कोई लोकतंत्र कानून के शासन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मापने के लिए अलग–अलग मानदंड अपनाता है।प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के खिलाफ ऑनलाइन धमकियों के लिए दो लोगों को तुरंत गिरफ्तार किए जाने के बाद भारत ने कनाडा पर दोहरे मानकों का आरोप लगाया है। राष्ट्र भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने वाले खालिस्तानी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने से हिचक रहा है। कनाडा द्वारा प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और अन्य नेताओं को ऑनलाइन ध ामकी देने के लिए दो व्यक्तियों पर आरोप लगाए जाने की खबरों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने ये रिपोर्ट देखी हैं। जब कोई लोकतंत्र कानून के शासन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मापने के लिए अलग–अलग मानदंड अपनाता है, तो यह केवल उसके दोहरे मापदंड को ही उजागर करता है। हम उम्मीद करते हैं कि कनाडा भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जिन्होंने बार–बार भारतीय नेताओं, संस्थानों, एयरलाइनों और राजनयिकों को हिंसा के द्वारा धमकाने का प्रयास किया है। हम चाहते हैं कि हमें मिलने वाली धमकियों पर भी उसी स्तर की कड़ी कार्रवाई हो।उन्होंने आगे कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि कनाडा भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जिन्होंने बार–बार

भारतीय नेताओं, संस्थानों, एयरलाइंस और राजनयिकों को हिंसा के जरिए धमकी दी है। हम कड़ी कार्रवाई देखना चाहेंगे, हमारे सामने आने वाले खतरों पर भी उसी स्तर की कार्रवाई होगी। ट्रूडो और अन्य कनाडाई राजनीतिक नेताओं के खिलाफ ऑनलाइन धमकी जारी करने के लिए अल्बर्टा के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था। 6 जून को एक 23 वर्षीय व्यक्ति को एक्स पर एक ऑनलाइन पोस्ट के लिए गिरफ्तार किया गया था जिसमें उसने ट्रूडो को जान से मारने की धमकी दी थी। 13 जून को एडमॉन्टन निवासी 67 वर्षीय एक व्यक्ति को इसी तरह की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। कथित धमकियाँ उप प्रधान मंत्री क्रिस्टिया फरीलैंड और न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जगमीत सिंह पर भी निर्देशित थीं।

ट्रम्प के कान को छू कर निकली चीज गोली ही थी या फिर? एफबीआई निदेशक ने ये क्या नई थ्योरी दे दी

रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमले के बाद से अमेरिकी सीक्रेट एजेंसी निशाने पर है। डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले के बाद पहला बड़ा एक्शन हुआ और सीक्रेट सर्विस की डायरेक्टर किम्बर्ली चिटेल का इस्तीफा हो गया।पेंसिल्वेनिया में एक रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक शूटर के निशाने पर थे। लेकिन इससे पहले की गोली उन्हें लग पाती उन्होंने नीचे झुककर अपनी जान बचा ली। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल कि क्या ट्रम्प को गोली लगी? ये कोई साजिश का सिद्धांत नहीं है, बल्कि एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे द्वारा उठाया गया सवाल है। यह संदेह एफबीआई निदेशक ने अमेरिकी हाउस न्यायपालिका समिति के समक्ष गवाही देते समय उठाया था। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, रे को यकीन नहीं है कि यह गोली थी या छर्रे। ब्रिटिश मीडिया आउटलेट ने रे के हवाले से कहा कि क्या ये गोली या छर्रे थे जो ट्रंप की कान को छूते हुए निकल गए। रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमले के बाद से अमेरिकी सीक्रेट एजेंसी निशाने पर है। डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले के बाद पहला बड़ा एक्शन हुआ और सीक्रेट सर्विस की डायरेक्टर किम्बर्ली चिटेल का इस्तीफा हो गया। इन सब के बीच रे ने हत्या के प्रयास के बारे में नई जानकारी दी। मैं अभी नहीं जानता कि वह गोली, लोगों को घायल करने के अलावा, कहीं और भी गिरी। रे उन सुरक्षा चूकों पर चर्चा कर रहे थे जिसके कारण थॉमस मैथ्यू क्रुक्स द्वारा पूर्व राष्ट्रपति की हत्या का प्रयास किया गया। सुरक्षा चूक के मुद्दों

में संदिग्ध व्यक्ति के रूप में पहचाने जाने के बावजूद संदिग्ध ा को रैली में शामिल होने की अनुमति देना शामिल था। पूर्व राष्ट्रपति को गोली मारने के बाद, क्रुक्स को एक स्नाइपर द्वारा गोली मार दी गई। रे ने अपनी गवाही में खुलासा किया कि क्रुक्स ने खुद को मंच की सीमा के भीतर एक इमारत की छत पर चढ़ाने के लिए जमीन पर यांत्रिक उपकरण और पाइपिंग का इस्तेमाल किया। मारे जाने से पहल एआर–स्टाइल राइफल से कुल आठ गोलियां चलाई गईं। क्रुक्स ने एक फायरफाइटर कोरी कॉम्पेरेटर की हत्या कर दी थ और ट्रम्प सहित दो अन्य को गंभीर चोट पहुंचाई थी। पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प की सुरक्षा सीक्रेट सर्विस एजेंटों द्वारा की जाती है और इसे उनके एजेंटों की सबसे चौंकाने वाली विफलताओं में से एक के रूप में देखा जा रहा है।

इंडो–पैसिफिक में और मजबूत होगी साझेदारी, जयशंकर की मुलाकात से चीन को मिर्ची लगना तय है

जयशंकर ने कहा कि आज वियनतियाने में फिलीपींस के मेरे मित्र सेकमैनलो से मिलकर खुशी हुई। हमारे दोनों लोकतंत्रों के बीच मजबूत सहयोग और इंडो–पैसिफिक में साझेदारी, विशेष रूप से कानून के शासन और आसियान केंद्रीयता को बनाए रखने पर चर्चा की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को फिलीपींस के विदेश सचिव एनरिक मैनलो के साथ बैठक की और दोनों देशों के बीच सहयोग और इंडो–पैसिफिक में साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। एक्स पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा कि आज वियनतियाने में फिलीपींस के मेरे मित्र सेकमैनलो से मिलकर खुशी हुई। हमारे दोनों लोकतंत्रों के बीच मजबूत सहयोग और इंडो–पैसिफिक में साझेदारी, विशेष रूप से कानून के शासन और आसियान केंद्रीयता को बनाए रखने पर चर्चा की। जयशंकर ने आसियान बैठकों से इतर तिमोर लेस्ते समकक्ष बेंडिटो फ्रीटास के साथ भी बैठक की। दोनों नेताओं ने इंडो–पैसिफिक में साझा प्राथमिकताओं पर विचारों का आदान–प्रदान किया। फ्रीटास के साथ अपनी बैठक के बारे में विवरण साझा करते हुए, जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रु।म।छ बैठकों के मौके पर तिमोर लेस्ते के एफएम बेंडिटो फ्रीटास से मिलकर खुशी हुई। हमारा दिल्ली से दिल्ली की दोस्ती में विविधता और गहराई जारी है, साथ ही भारत–प्रशांत क्षेत्र में हमारी साझा प्राथमिकताओं पर विचारों का आदान–प्रदान किया गया। इससे पहले दिन में, जयशंकर दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत के संबंधों को

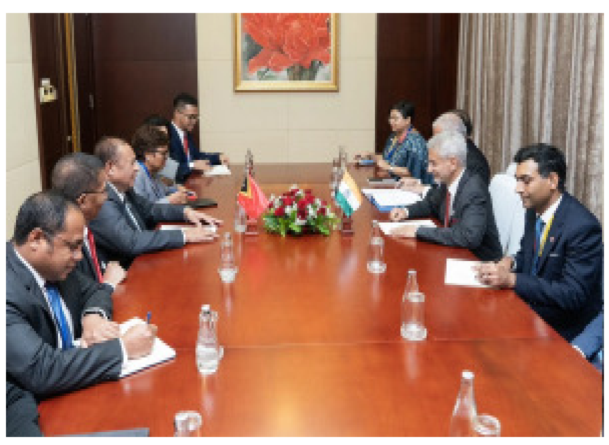

मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण आसियान–तंत्र की बैठकों में भाग लेने के लिए लाओस के वियनतियाने पहुंचे। उन्होंने आसियान देशों के साथ भारत के जुड़ाव को आगे बढ़ाने के बारे में आशावाद व्यक्त किया, जो एक्ट ईस्ट पॉलिसी की दशक लंबी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आसियान–तंत्र की बैठकों में भाग लेने के लिए वियनतियाने, लाओस पहुंचे। आसियान के साथ भारत के संबंधों को और गहरा करने के लिए तत्पर हैं क्योंकि हम एक्ट ईस्ट

वाइडेन तो कमला हैरिस का बार–बार ले रहे नाम, चुप क्यों हैं ओबामा? क्या ट्रंप को रोकने के लिए प्लान एम करेंगे एक्टिव

पूर्व हाउस स्पीकर और अमेरिकी प्रतिनिधि नैन्सी पेलोसी ने डेमोक्रेटिक 2024 के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में कमला हैरिस का समर्थन करके देश के राष्ट्रपति पद के लिए उनकी उम्मीदवारी पर उनके रुख पर संदेह को दूर कर दिया।व्हाइट हाउस में ओवल ऑफिस में रेसोल्यूट डेस्क पर बैठे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए संभावित डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस का जिक्र करते हुए कहा कि कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति चुनना मेरा सबसे अच्छा फैसला रहा। वह सक्षम है। वो मेरे लिए एक अविश्वसनीय साथी और हमारे देश के लिए एक अच्छी नेता हैं। 59 वर्षीय हैरिस को बाइडेन का जोरदार और सशक्त समर्थन है। लेकिन पिछले रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति की रेस से बाहर होने की बाइडेन के घोषणा के बाद कमला हैरिस को आवश्यक 1,976 से अधिक प्रतिनिधियों का समर्थन प्राप्त है। कमला हैरिस अपना चुनाव प्रचार भी शुरू कर चुकी हैं। इसके अलावा कमला हैरिस को पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और हिलेरी क्लिंटन से लेकर प्रतिनिधि अलेक्जेंड्रिया ओकासियो–कोर्टेज जैसे

प्रगतिशील लोगों तक डेमोक्रेट का समर्थन प्राप्त हुआ है। पूर्व हाउस स्पीकर और अमेरिकी प्रतिनिधि नैन्सी पेलोसी ने डेमोक्रेटिक 2024 के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में कमला हैरिस का समर्थन करके देश के राष्ट्रपति पद के लिए उनकी उम्मीदवारी पर उनके रुख पर संदेह को दूर कर दिया। पेलोसी का समर्थन हैरिस को ताकत देता है क्योंकि वह डेमोक्रेटिक पार्टी में एक प्रभावशाली आवाज हैं। यहां तक घ्कि हॉलीवुड सुपरस्टार जॉर्ज क्लूनी ने भी वर्तमान उपराष्ट्रपति का समर्थन किया है। लेकिन उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के लिए कई आवाजों और समर्थनों के बीच, कोई खामोश बैठा है। खामोशी बता रही है। वह आवाज पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की है।बराक ओबामा चुप क्यों हैं?अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ओबामा कथित तौर पर 81 वर्षीय बाइडेन के ट्रंप से डिबेट में पिछड़ने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर करने के लिए सबसे प्रमुख आवाजों में से एक थे। ऐसा लगता है कि ओबामा द्वारा डाला गया दबाव बाइडेन के अपना मन बदलने में काम कर गया। कुछ ही समय बाद, ओबामा ने एक पोस्ट में लिखा कि जो बाइडेन अमेरिका के सबसे परिणामी राष्ट्रपतियों में से एक रहे हैं, साथ ही मेरे लिए एक प्रिय मित्र और भागीदार भी रहे हैं। आज, हमें फिर से याद दिलाया गया है कि वह सर्वोच्च कोटि के देशभक्त हैं।मिशेल ओबामा की दावेदारी ? न्यूयॉर्क टाइम्स पोस्ट की रिपोर्ट में ओबामा को नाराज बताया गया है। वहीं दूसरी ओर एनबीसी न्यूज ने दावा किया है कि ओबामा डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में हैरिस का समर्थन करने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ओबामा ने निजी तौर पर हैरिस की उम्मीदवारी का समर्थन किया है और उनके साथ नियमित संपर्क में हैं। वह सार्वजनिक तौर भी हैरिस के नाम का समर्थन करेंगे। हालांकि ओबामा कब ऐसा करेंगे, इसकी कोई तारीख रिपोर्ट में नहीं दी गई है। हाल ही में बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा का नाम भी उछला है। इसे भी ओबामा की खामोशी से जोड़कर देखा जा रहा है।

चीन ने कर्ज जाल में फंसाकर जिस देश को डिफाल्टर बनाया, जयशंकर को वहां भेज मोदी कौन सा मास्टरस्ट्रोक खेल रहे हैं?

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर आसियान और क्वाड बैठकों में भाग लेने के लिए एशियाई देशों लाओस और जापान का दौरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। लाओस के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री सेलमक्सय कोमासिथ के निमंत्रण पर विदेश मंत्री 25–27 जुलाई 2024 को वियनतियाने, लाओस का दौरा करेंगे।चीन के कर्ज जाल की कहानी तो आपने कई बार सुनी होगी जब उसने भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका हो या नेपाल, बांग्लादेश या म्यांमार को पैसे देकर उसकी जमीन कब्जाने की फिराक में रहता है। लेकिन अब एख देश को चीन ने इतना भारी मात्रा में कर्ज दिया। आलम है कि वो चीन के अलावा बाकी दुनिया से लिए गए कर्ज को लौटाने में सक्षम नहीं है। नौबत यहां तक आ गई है कि यह देश अब डिफॉल्ट होने जा रहा है। लेकिन अब भारत के विदेश मंत्री इसी देश की यात्रा पर जाने वाले हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर आसियान और क्वाड बैठकों में भाग लेने के लिए एशियाई देशों लाओस और जापान का दौरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। लाओस के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री सेलमक्सय कोमासिथ के निमंत्रण पर विदेश मंत्री 25–27 जुलाई 2024 को वियनतियाने, लाओस का दौरा करेंगे। देश की अपनी यात्रा के दौरान, जयशंकर आसियान–भारत, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) और आसियान क्षेत्रीय मंच (एआरएफ) की विदेश मंत्री बैठकों में भाग

लेंगे। यह यात्रा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत की एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक का प्रतीक होगी जिसकी घोषणा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में 9वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में की थी। अपनी यात्रा के दौरान, भारतीय राजनयिक के विदेश मंत्री के शिखर सम्मेलन के मौके पर अन्य देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की उम्मीद है। यहां से विदेश मंत्री अपनी 3 दिवसीय जापान यात्रा की शुरुआत करेंगे जहां वह क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे।लाओसरू एक दुखद अतीत वाली भूमि से घिरी भूमिएशियाई भूमि से घिरे देश की सीमा म्यांमार, चीन, वियतनाम और कंबोडिया से लगती है। भारत और लाओस एक दूसरे के साथ एक लंबा इतिहास साझा करते हैं। लाओस दक्षिण पूर्व एशिया का एकमात्र ऐसा देश है जो चारों तरफ से जमीन से घिरा हुआ है। लाओस का लगभग तीन–चौथाई हिस्सा पहाड़ों और जंगली पहाड़ियों से ढका हुआ है। वर्ष 1964 से मार्च 1973 के बीच लाओस पर कम से कम 260 मिलियन बम गिराये गये। उनमें से लाखों क्लस्टर बम थे जो बिना फटे थे और उनमें से कुछ अभी भी पूरे लाहोस में बिखरे हुए हैं। लाओस और भारत ने 2 फरवरी 1956 को एक–दूसरे के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंध बहुत पुराने हैं और प्राचीन सभ्यताओं के रूप में गहरे सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों पर आधारित हैं।गरीबी से त्रस्त देश को भारत से क्या उम्मीद लाओस पूर्वी एशिया के सबसे गरीब देशों में से एक है जहां अपर्याप्त बुनियादी ढांचा और बड़े पैमाने पर अकुशल कार्यबल है। हालाँकि, यह विदेशी निवेश को आकर्षित करता है क्योंकि यह व्यापक आसियान आर्थिक समुदाय के साथ एकीकृत होता है। इसका युवा कार्यबल और कर–अनुकूल वातावरण इसे विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बनाता है। एशियाई राष्ट्र दक्षिण पूर्व एशिया के दो मार्क्सवादी–लेनिनवादी राज्यों में से एक है। वर्तमान लाओस अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान लैन जांग से खोजता है, जो 13वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी तक अस्तित्व में थी।2016 में पीएम मोदी ने की थी लाओस की यात्रा 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का दौरा करने वाले चौथे भारतीय प्रध ाानमंत्री बने। भारत के पहले प्रध ाानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 1954 में, अटल बिहारी वाजपेयी ने 2002 में और मनमोहन सिंह ने 2004 में दौरा किया था। 4 अगस्त 2020 को भारत द्वारा लाओस को दवाओं और चिकित्सा आपूर्ति की एक खेप उपहार में दी गई थी। चिकित्सा आपूर्ति की खेप लाओस के स्वास्थ्य मंत्री को सीओवीआईडी–19 महामारी के खिलाफ देश की लड़ाई का समर्थन करने के लिए सौंपी गई थी। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि जयशंकर की हाल ही में चारों ओर से घिरे देश की यात्रा का क्या नतीजा निकलेगा।

ट्रंम्प पर हमले का आया जान एफ कैनेडी कनेक्शन, पीएफआई ने कर दिया कौन सा नया खुलासा?

22 नवंबर, 1963 के दिन उत्तरी टेकस्सा का शहर डलास। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी अपनी खुली कार में भारी सुरक्षा के बीच सड़क से गुजर रहे थे और लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रहे थे।13 जुलाई को डोनाल्ड ट्रम्प की रैली में हत्या का प्रयास करने वाले थॉमस मैथ्यू क्रुक्स ने हमले से पहले के दिनों में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी 1963 की हत्या के बारे में डिटेल्स ऑनलाइन सर्च की थी। एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने कांग्रेस कमेटी के सामने गवाही देते हुए कहा कि 20 वर्षीय संभावित हत्यारे ने गूगल पर श्ओसवाल्ड कैनेडी से कितनी दूर था? जैसे कीवर्ड सर्च किए थे। एफबीआई निदेशक ने समिति को बताया कि यह स्पष्ट रूप से उनकी मानसिक स्थिति के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। अमेरिकी नौसैनिक अनुभवी ली हार्वे ओसवाल्ड ने 22 नवंबर, 1963 को टेक्सास स्कूल बुक डिपॉजिटरी की छठी मंजिल की खिड़की से जॉन एफ कैनेडी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। 22 नवंबर, 1963 के दिन उत्तरी टेकस्सा का शहर डलास। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी अपनी खुली कार में भारी सुरक्षा के बीच सड़क से गुजर रहे थे और लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रहे थे। भरी दोपहरी में घड़ी की दोनों सुईंयां एक–दूसरे को छूने को बेताब थी और राष्ट्रपति का काफिला प्लाजा के सामने पहुंचा। तभी दो गोलियां चली। एक अमेरिकी राष्ट्रपति के सिर में लगी और दूसरी उनके गर्दन को भेदती हुई निकल गई। 1963 में दिन दहाड़े जब सबसे हाई सिक्योरिटी में रहने वाले यूएस प्रेसीडेंट को सबके सामने मौत के घाट उतार दिया गया तो केवल अमेरिका ही नहीं बल्कि बाकी देशों में भी इस खबर से हड़कंप मच गया था। इस घटना पर किसी को यकीन ही नहीं हो रहा था। अमेरिकी अधिकारियों ने फुर्ती दिखाते हुए एक 24 साल के युवक को पकड़ लिया। इस युवक का नाम हार्वी ऑस्वाल्ड था, जिसपर बाद में हत्या का मुकदमा कायम किया गया। हार्वी ऑस्वाल्ड ने खुद को बेकसूर बताया और हत्या की बात से मुकर गया।